R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 152
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 9 फरवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

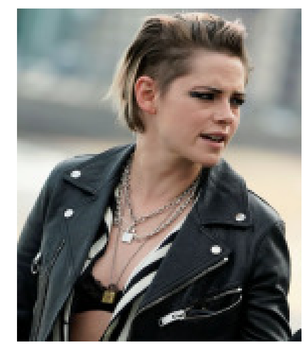

3 सीआरपीएफ मोंटेसरी स्कूल का वार्षिकोत्सव ... 5 हत्या का खुलासा, 24 घंटे में चार अभियुक्त गिरफ्तार... 7 'अब यहाँ घुटन महसूस होती है', क्रिस्टन स्टीवर्ट ...

बीजेपी मंत्री बोले- राहुल गांधी पप्पू थे, पप्पू हैं और पप्पू ही रहेंगे, कांग्रेस जहां कहीं रह भी गई है , वहां भी नहीं रहेगी

भोपाल **(एजेंसी)**। एमपी के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बारे में कहा है कि वो पप्पू थे, पप्पू हैं और पप्पू रहेंगे। ये बयान काफी चर्चा में आ गया है। श्योपुर में एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बीजेपी कार्यालय पर केंद्रीय बजट को प्रेस कांफ्रेस की। इस मौके पर राकेश शुक्ला ने राहुल गांधी के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहने वाले बयान पर पलटवार किया । उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को घेरा और कहां कि वह पप्पू है और पप्पू थे और पप्पू ही रहेंगे। जिन प्रदेशों में कांग्रेस रह भी गई है वहां भी खत्म कर देंगे। प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला का यह बयान अब सुर्खियों में है।

आपको बता दें कि बीते बुधवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी बहस हो गई थी। राहुल गांधी ने इस दौरान रवनीत सिंह बिट्टू पर तीखा हमला करते हुए उन्हें गद्दार कह दिया। हालांकि यह वीडियो आने के बाद बीजेपी ने भी इस पर तुरंत पलटवार भी कर दिया था।

शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री ने भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को घेरा और उन्होंने भी उनके बयान पर पटलवार करते हुए कहा है उनके नेताओं से जो उम्मीद की जा सकती है.राहुल गांधी पप्पू थे.पप्पू है. और वह हमेशा पप्पू रहेंगे. उन्होंने कहा कि ऐसा मेरा मानना है उनकी बात को गंभीरता से लेना उसके यह परिणाम है जहां प्रदेशों में कांग्रेस रह गई है आने वाले परिणामों में भी नहीं रहेगी।

लैला एक, मजनू दोः इश्क में चले दे थप्पड़ पर थप्पड़ बीच सड़क पर दो युवकों ने तोड़ी प्यार की मर्यादाएं

बिजनौर **(एजेंसी)**। शहर के नगर पालिका चौक के पास शनिवार शाम दो युवकों के बीच हुई मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। वीडियो में दोनों युवक सड़क पर एक-दूसरे से धक्का-मुक्की और बेल्ट से वार करते नजर आ रहे हैं। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ भी जुट गई थी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, एक महिला एक युवक के साथ मोटरसाइकिल से वहां पहुंची थी। उसी दौरान पीछे से बाइक पर आए दूसरे युवक ने महिला को पहचान लिया। बताया जा रहा है कि उसने महिला के साथ मौजूद युवक से बातचीत की और इस बात पर नाराजगी जताई कि वह उसके साथ घूम रही थी। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। बहस बढ़ते-बढ़ते गाली-गलौज में बदल गई और देखते ही देखते दोनों युवकों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। वीडियो में दिख रहा है कि दोनों एक-दूसरे को मारते-पीटते हैं, यहां तक कि बेल्ट का भी इस्तेमाल किया जाता है। मौके पर मौजूद अन्य युवक ने भी झगड़े में दखल दिया। सड़क पर हंगामा होते देख राहगीर और आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। घटना के बाद सभी लोग वहां से चले गए।

फिलहाल इस घटना को लेकर किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। संबंधित युवकों और महिला का भी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वीडियो वायरल होने के बाद मामले की चर्चा जरूर हो रही है।

चार दोस्तों ने एक साथ निगला जहर 3 की मौत, घटना ने झकझोर दिया

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के सहरसा जिले में एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यहां चार करीबी दोस्तों ने एक साथ जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया, जिसमें तीन की मौत हो गई, जबकि एक की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना कनरिया थाना क्षेत्र के फरेवा मुसहरी गांव की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, चारों दोस्त एक ही गांव के रहने वाले थे और स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में डांस ग्रुप के तौर पर साथ काम करते थे। मृतकों में राजा कुमार (20), सनी देओल (18) और एक नाबालिग शामिल हैं। वहीं, एक अन्य नाबालिग युवक गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती है।

बताया जा रहा है कि शनिवार को चारों युवकों ने एक खाद-बीज की दुकान से कीटनाशक खरीदा था। इसके बाद वे गांव से कुछ दूरी पर स्थित मक्के के खेत में पहुंचे, जहां सभी ने एक साथ जहरीला पदार्थ सेवन कर लिया। कुछ देर बाद जब इसकी जानकारी ग्रामीणों को मिली तो अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में सभी को इलाज के लिए खगड़िया के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान पहले दो युवकों और फिर एक नाबालिग की मौत हो गई। चौथे युवक की हालत अब भी नाजुक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही कनरिया थाना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ साक्ष्य बरामद किए हैं और उस जगह का निरीक्षण किया है, जहां युवकों ने जहरीला पदार्थ लिया था।

भारत-मलेशिया संबंधों में नया अध्याय

रणनीतिक साझेदारी और आर्थिक विकास की ओर बढ़ते कदम, आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं

माले **(एजेंसी)**। भारत और मलेशिया ने रविवार को अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊँचाई पर ले जाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच हुई व्यापक वार्ता के बाद, दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा, और सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए 11 ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। भारत और मलेशिया ने रविवार को व्यापार एवं निवेश, रक्षा, ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण तथा सेमीकंडक्टर जैसे उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अपने संबंधों का विस्तार करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जोर देकर कहा कि दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध हैं। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ व्यापक वार्ता के बाद मोदी ने आतंकवाद से निपटने के मुद्दे पर भारत के रुख को दोहराते हुए कहाः ''आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है; कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं।''

दोनों पक्षों ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में गहन सहभागिता के लिए एक रूपरेखा समझौते सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कुल 11 समझौतों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। मोदी शनिवार को कुआलालंपुर पहुंचे। मोदी और इब्राहिम दोनों ने व्यापार निस्तारण के लिए स्थानीय मुद्राओं - भारतीय रुपया और मलेशियाई रिंगिट के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। मोदी ने भारत-मलेशिया संबंधों को ''विशेष'' बताते हुए कहा, ''हम रणनीतिक विश्वास के माध्यम से आर्थिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेंगे।''

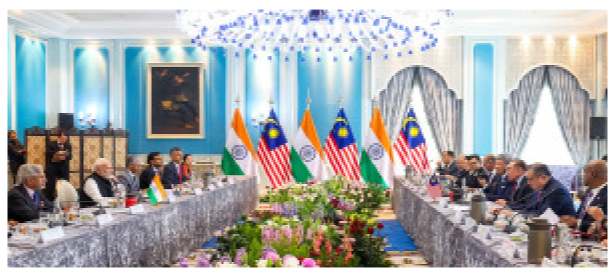

उन्होंने मीडिया में जारी अपने बयान में कहा, ''हम समुद्री पड़ोसी हैं। सदियों से दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे और स्नेहपूर्ण संबंध रहे हैं।'' मोदी ने मलेशिया में भारतीय वाणिज्य दूतावास स्थापित करने के भारत के निर्णय की भी घोषणा की। अपने संबोधन में इब्राहिम ने भारत की आर्थिक वृद्धि का उल्लेख किया और कहा कि अगर उनका देश भारत के साथ सहयोग के और अधिक तरीके एवं अवसर तलाश सके तो उसे बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा, ''यह (भारत की आर्थिक वृद्धि) अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और व्यापार के क्षेत्र में एक शानदार उन्नति है।''

उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं का उपयोग करने के निर्णय को ''उल्लेखनीय'' बताया। वार्ता के दौरान मलेशिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के बाद भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग के बारे में विस्तार से बताते हुए मोदी ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को मजबूत किया जाएगा, साथ ही दोनों पक्ष रक्षा संबंधों को और आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा, ''कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ हम सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) फोरम में हुई चर्चाओं ने व्यापार और निवेश के नए अवसर खोले हैं।

भारत-अमेरिका टैरिफ समझौता यूपी के लिए अवसर, अर्थव्यवस्था को देगा नई गति-योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। भारत-अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत जारी टैरिफ ज्वाइंट स्टेटमेंट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम बताते हुए कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करेगा। उन्होंने कहा कि समझौते में किसानों, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों को पूर्ण रूप से संरक्षित रखा गया है, साथ ही 'मेक इन इंडिया' को मजबूती मिलेगी और युवाओं व महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के प्रयासों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ में प्रस्तावित कटौती से उत्तर प्रदेश के निर्यात-आधारित क्लस्टर्स को संरचनात्मक बढ़त मिलेगी। भदोही-मिर्जापुर कार्पेट, वाराणसी सिल्क, कानपुर-आगरा लेदर, मेरठ-मुरादाबाद होम डेकोर तथा पूर्वांचल के टेक्सटाइल उद्योग को लागत प्रतिस्पर्धा में लाभ होगा। चुनिंदा कृषि उत्पादों और प्रोसेस्ड फूड पर शून्य शुल्क से मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, जबकि फार्मा, मशीनरी और ऑटो कंपोनेंट्स को वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे एमएसएमई इकाइयों की सीधे निर्यात में भागीदारी बढ़ने की संभावना है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और डेटा सेंटर निवेश को भी इस समझौते से प्रोत्साहन मिलेगा। संवेदनशील कृषि क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखते हुए किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के लिए निर्यात, निवेश और रोजगार सृजन के लिहाज से दीर्घकालिक अवसर करार देते हुए कहा कि यह समझौता राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

हिमंत सरमा के पाकिस्तान वाले आरोप पर गौरव गोगोई का पलटवार

मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस को बताया 'सुपर फ्लॉप'

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के आरोपों को पूरी तरह से 'बेतुका और झूठा' करार दिया है। गोगोई ने मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस का मजाक उड़ाते हुए उसे 'सी-ग्रेड सिनेमा' से भी बदतर और 'सुपर फ्लॉप' बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने ढाई घंटे तक मीडिया से बात की, लेकिन फिर भी कोई उनकी बातों से संतुष्ट नहीं हुआ और उन्होंने खुद को ही शर्मिंदा किया है।

गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की 'परिवर्तन यात्रा' ने मुख्यमंत्री और उनके परिवार द्वारा कब्जा की गई 12, 000 बीघा कीमती जमीन का पर्दाफाश किया है। गोगोई ने वादा किया कि जब कांग्रेस सत्ता में आएगी, तो वह इस जमीन को वापस लेकर गरीबों और भूमिहीनों के बीच बांट देगी।

गोगोई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि असम में अब कोई भी मुख्यमंत्री की बातों को गंभीरता से नहीं ले रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को पाकिस्तान की फर्जी कहानियां सुनाने के बजाय यह बताना चाहिए कि उनके परिवार ने इतनी बड़ी मात्रा में जमीन कैसे हासिल की। इससे पहले, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौरव गोगोई पर बेहद गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया कि गोगोई, उनकी पत्नी और एक पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के बीच 'गहरे संबंध' हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि गोगोई ने 2013 में पाकिस्तान की एक 'गोपनीय यात्रा' की थी, जहां उन्होंने किसी प्रकार की ट्रेनिंग ली थी और वे भारत की खुफिया जानकारी पड़ोसी देश को लीक कर रहे हैं।

जनसंख्या पर मोहन भागवत का बड़ा बयान बोले- देश के संतुलन के लिए जरूरी हैं 3 बच्चे

मुम्बई **(एजेंसी)**। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को देश के कई जरूरी मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि भारत को मजबूत बनाने के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि आम जनता और समाज को भी जागरूक होना पड़ेगा। जनसंख्या के मुद्दे पर मोहन भागवत ने कहा कि समाज को संतुलित रखने के लिए परिवारों में तीन बच्चों का होना जरूरी है। उन्होंने इसके पीछे पुराने अनुभवों और सेहत से जुड़े कारणों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि शादी सिर्फ दो लोगों का मामला नहीं है, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी भी है। भागवत जी ने आबादी के बिगड़ते संतुलन के तीन बड़े कारण बताए, जिनमें बच्चों के जन्म की दर, धर्म परिवर्तन और बाहर से आने वाले घुसपैठिए शामिल हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

देश की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ जीडीपी के आंकड़ों को देखकर खुश नहीं होना चाहिए। जीडीपी से सिर्फ सामान के आने-जाने का पता चलता है, लेकिन इससे यह नहीं पता चलता कि हर व्यक्ति कितना खुशहाल है। उन्होंने कहा कि हमारा रुपया तभी मजबूत होगा जब हम अपने देश में बनी चीजों की क्वालिटी और उत्पादन पर ज्यादा ध्यान देंगे।

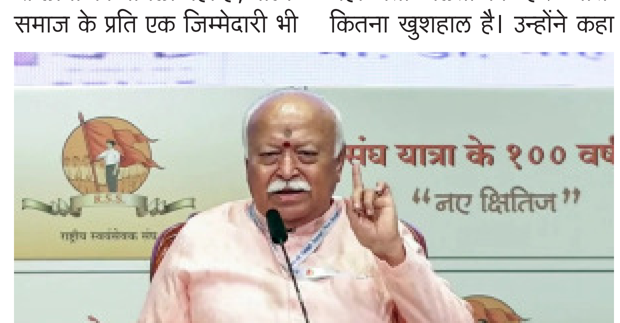

अक्सर लोग कहते हैं कि आरएसएस पर्दे के पीछे से सरकार को कंट्रोल करता है। इस पर भागवत जी ने साफ किया कि जो लोग सरकार में बैठे हैं, वही उसे चला रहे हैं। हम पीछे से बैठकर ड्राइविंग नहीं करते। हां, जब भी सरकार को देश की भलाई के लिए हमारी जरूरत होगी, हम साथ देने के लिए हमेशा तैयार हैं।

हाल ही में दिल्ली में हुए धमाके का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ पुलिस और खुफिया विभाग के भरोसे रहना ठीक नहीं है। आम नागरिकों को भी अपनी आंखें और कान खुले रखने होंगे। उन्होंने कहा कि हमें 'मुझे क्या लेना-देना' वाली सोच छोड़नी होगी। साथ ही, उन्होंने बांग्लादेश के हिंदुओं का जिक्र करते हुए कहा कि अगर दुनिया भर के हिंदू एक हो जाएं तो वे अपनी समस्याओं का हल खुद निकाल सकते हैं।

'निर्वाचन आयोग भाजपा का 'सहयोगी दल' बन गया'

अखिलेश ने एसआईआर में बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का लगाया आरोप

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि सरकार द्वारा नियुक्त पेशेवर एजेंसियां उन चुनिंदा बूथों को निशाना बना रही हैं, जहां उनकी पार्टी ने चुनाव जीता है।

अखिलेश यादव ने कहा, ''सरकार ने कुछ एजेंसियों को नियुक्त किया है जिनमें दिल्ली, लखनऊ और देशभर के अन्य स्थानों से काम कर रहे पेशेवर लोग शामिल हैं। उनके पास पूरी मतदाता सूची का डेटा उपलब्ध है और इसके माध्यम से वे उन बूथों की पहचान कर रहे हैं जहां समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की है।'' 'फॉर्म-सात' का उपयोग किसी के नाम को मतदाता सूची में शामिल करने या सूची से हटाने के लिए किया जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया ने पहले ही चुनाव परिणामों को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, ''एसआईआर के जरिए ही वे बिहार चुनाव जीतने में सफल हुए हैं। इसमें एसआईआर की अहम भूमिका रही है।''

यादव ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा पश्चिम बंगाल में भी यही करने की कोशिश कर रही है। इसलिए वहां की सरकार और मुख्यमंत्री बार-बार कह रही हैं कि निर्वाचन आयोग भाजपा का आयोग बन गया है।'' उच्चतम न्यायालय में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खुद पैरवी करने का जिक्र करते हुए यादव ने कहा, ''उन्हें भाजपा के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में पेश होने के लिए काला कोट पहनने को मजबूर किया गया। इससे पता चलता है कि किस तरह का भेदभाव हो रहा है और निर्वाचन आयोग भाजपा का 'सहयोगी दल' बन गया है।''

सपा प्रमुख ने कहा कि कई पार्टी कार्यकर्ताओं और पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के 'प्रहरियों' ने संदिग्ध प्रपत्रों पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा, ''समय-समय पर हमारे संगठन, पीडीए के प्रहरियों और जिम्मेदार नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने हमें पहले से भरे हुए प्रपत्र सौंपे हैं।'' यादव ने कुछ विशिष्ट मामलों का जिक्र भी किया गया। उन्होंने कहा, ''दशरथ और नंदलाल से जुड़ा मामला अब सामने आया है। नंदलाल आज हमारे साथ हैं। मुझे खुशी है कि बहादुर नंदलाल हमारे साथ खड़े हैं।'' फर्जी हस्ताक्षरों का आरोप लगाते हुए यादव ने कहा, ''यह वही नंदलाल हैं जिनके हस्ताक्षर कथित तौर पर भाजपा द्वारा लिए गए थे। नंदलाल अंगूठे का निशान इस्तेमाल करते हैं।''

भाजपा ने विपक्ष को मिल रहे मराठी समर्थन के कारण रितु तावड़े को मुंबई का महापौर चुना : संजय राउत

मुम्बई **(एजेंसी)**। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि बृहमुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव में उनकी पार्टी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को मिले मराठी लोगों के भारी समर्थन के कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मुंबई के महापौर के रूप में एक मराठी व्यक्ति को चुनना पड़ा। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी कटाक्ष किया। शनिवार को आरएसएस शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेता सलमान खान को संघ प्रमुख मोहन भगवत से बातचीत करते देखा गया था। राज्यसभा सदस्य ने पूछा, 'क्या यह फिल्म अभिनेता सलमान खान का स्वागत था या (यह संदेश था कि) संघ व उसकी शाखाओं में मुसलमानों का भी स्वागत है?' उन्होंने आरोप लगाया कि भागवत को इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए क्योंकि जिस तरह से हिंदू-मुस्लिम नफरत और बदले की भावना से प्रेरित दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है, उसमें संघ भी शामिल है। राउत ने मुंबई के महापौर पद के लिए भाजपा द्वारा रितु तावडे (53) को उम्मीदवार बनाए जाने पर कहा कि वह मूल रूप से कांग्रेस से हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पास अपना कोई उम्मीदवार नहीं है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'जिस तरह से मराठी लोगों ने भारी बहुमत से शिवसेना (उबाठा) और मनसे को वोट दिया, भाजपा को मुंबई में एक मराठी महापौर बनाना ही पड़ा।' रितु तावडे, मुंबई की महापौर बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और शिवसेना (उबाठा) द्वारा किसी प्रतिद्वंद्वी को मैदान में नहीं उतारने के फैसले के बाद चार दशकों में सत्तारूढ़ पार्टी की वह पहली महापौर बनेंगी। रितु के निर्विरोध चुने जाने से ठाकरे परिवार का बीएमसी पर 25 साल का वर्चस्व समाप्त हो गया।

सिराथू में खेल मैदान की मांग, मुख्यमंत्री को पत्र

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सिराथू विधानसभा क्षेत्र में खेल सुविधाओं के अभाव को लेकर आवाज तेज होती जा रही है। सैनी निवासी एवं जनता इंटर कॉलेज मोहम्मद पुर गौती में लंबे समय तक शारीरिक शिक्षक के रूप में सेवाएं दे चुके सेवानिवृत्त शिक्षक रविदास ने खेल मैदान निर्माण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खेल के मैदान की मांग की है। शिक्षक रविदास ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि सिराथू विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में खेल मैदानों और बुनियादी खेल सुविधाओं का भारी अभाव है। इसके कारण क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवक-युवतियाँ अपनी खेल प्रतिभा का विकास नहीं कर पा रहे हैं।

ज्ञात हो कि खेल युवाओं को नशा, अपराध और भटकाव से दूर रखने का सबसे सशक्त माध्यम है। सेवानिवृत्त पीटीआई ने अपने अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि यदि सिराथू विधानसभा क्षेत्र में एक स्थायी एवं सुव्यवस्थित खेल मैदान का निर्माण कराया जाए तो इससे क्षेत्र के हजारों युवाओं को लाभ मिलेगा। खेल मैदान बनने से छात्र-छात्राएं नियमित अभ्यास कर सकेंगे और जिला, प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर क्षेत्र का नाम रोशन कर सकेंगे। स्थानीय लोगों एवं खेल प्रेमियों ने भी शिक्षक रविदास की इस मांग का समर्थन किया है।

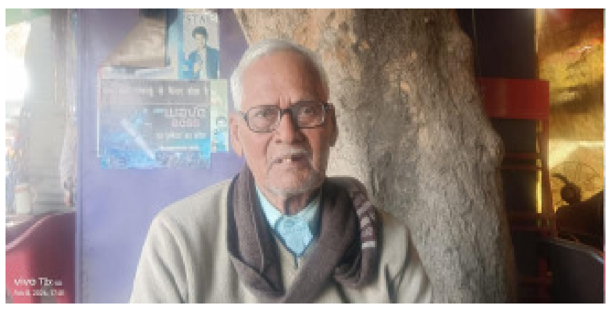

नवोदय प्रवेश परीक्षा में 380 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

कौशाम्बी। पीएमजवाहर नवोदय विद्यालय टेवां में प्रवेश के लिए शनिवार को तीन केंद्रों पर परीक्षा हुई। कक्षा नौ व 11 में प्रवेश के लिए पंजीकृत 596 परीक्षार्थियों में से 380 अनुपस्थित रहे। जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में प्रवेश के बाद बीच में स्कूल छोड़ने से खाली हुईं सीटों के लिए शनिवार को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय समेत दो आश्रम पद्धति स्कूलों को केंद्र बनाया गया। प्राचार्य विनोद त्रिपाठी ने बताया कि कक्षा 9वीं की परीक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में हुई। इस परीक्षा में 98 अभ्यर्थी पंजीकृत थे इनमें से केवल 36 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए और 62 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इसी प्रकार 11वीं की परीक्षा के लिए 498 अभ्यर्थियों में से मात्र 180 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा दी, जबकि 318 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मृत्यु, अज्ञात वाहन चालक फरार

कौशाम्बी। कादीपुर मेडिकल कॉलेज के पास शनिवार रात 10:30 बजे सड़क हादसे में इचौली गांव निवासी दिनेश पांडेय (40) की मौत हो गई। आरोपी चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिनेश सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल युवक को एंबुलेंस से कादीपुर मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। सीओ मंझनपुर शिवांक सिंह का कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे जा रहे हैं, ताकि फरार वाहन और चालक की पहचान की जा सके।

परिवार परामर्श केंद्र ने दो टूटे हुए परिवारों को मिलाया

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र टीम द्वारा 13 फाइलों की काउंसलिंग की गई। इस दौरान 02 फाइलों में पति-पत्नी व उनके परिजनों की आपसी सहमति से समझौता कराया गया। काउंसलिंग के समय दोनों पक्षों को उनके पारिवारिक कर्तव्यों का बोध कराते हुए समझाया गया, जिसके बाद पति-पत्नी ने स्वीकार किया कि अब उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है और वे आपसी सहमति से साथ रहने को तैयार हैं।

ज्ञात हो कि काउंसलिंग के बाद दोनों पक्षों ने भविष्य में प्रेमपूर्वक जीवन यापन करने का संकल्प लिया। केंद्र की इस पहल से दो परिवारों को टूटने से बचा लिया गया और खुशी-खुशी उन्हें घर विदा किया गया। परामर्श केंद्र ने दोनों को बड़ों का सम्मान करते हुए नए जीवन की शुरुआत करने की सलाह दी है।

जिले में दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के साप्ताहिक बंदी दिवस घोषित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी अमित पाल ने उत्तर प्रदेश दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 की धारा-8 (1) सहपठित उत्तर प्रदेश दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान नियमावली 1963 के नियम-6 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जनपद के उन सभी दुकानों एवं वाणिज्य अधिष्ठानों के साप्ताहिक बंदी दिवस का आदेश दिए हैं, जहां पर अधिनियम के प्राविधान लागू होते हैं। यह आदेश 01 जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक प्रभावी रहेगा।

ज्ञात हो कि श्रम प्रवर्तन अधिकारी नेहा यादव ने बताया है कि सोमवार को टाउन एरिया भरवारी की समस्त दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान बन्द रहेंगी। इसी प्रकार मंगलवार को टाउन एरिया सिराथू तथा बुधवार को टाउन एरिया चरवा, देवीगंज, कड़ा एवं मंझनपुर की समस्त दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान (मंझनपुर-समदा मार्ग को छोड़कर) बन्द रहेंगी। बृहस्पतिवार को करारी, सरायअकिल व पश्चिम शरीरा, शुक्रवार को अझुआ, शनिवार को चायल और रविवार को मंझनपुर में समदा मार्ग की दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात महिला का शव, हत्या की आशंका से सनसनी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सिराथू में बीती रात रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच और साक्ष्यों के आधार पर इसे हत्या का मामला माना जा रहा है। अंदेशा जताया जा रहा है कि साक्ष्य छिपाने और हत्या को ट्रेन दुर्घटना का रूप देने के लिए शव को रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त की कोशिशें तेज कर दी हैं। ज्ञात हो कि सैनी पुलिस ने आम जनता से

अपील की है कि महिला की पहचान से जुड़ी कोई भी जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी सैनी के मोबाइल नंबर 9450959593 पर तत्काल सूचित करें ताकि मामले का खुलासा किया जा सके।

सैनी नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा

तीन बाइक सवार गंभीर रूप से घायल; चालक फरार

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के गुलामीपुर नेशनल हाईवे पर रात करीब नौ बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन युवकों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखचे उड़ गए और तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

ज्ञात हो कि मौजूद लोगों के अनुसार कार की रफ्तार काफी तेज थी। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सामने जा रही बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से घायलों को इलाज के लिए सिराथू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। प्राथमिक उपचार के दौरान डॉक्टरों ने तीनों युवकों की हालत गंभीर बताई। स्थिति नाजुक होने के कारण उन्हें मंझनपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

हादसे में घायल युवकों की पहचान मीरापुर निवासी ओम प्रकाश प्रजापति पुत्र प्रेम लाल, सतीश पुत्र लाल सिंह पटेल और गोलू पुत्र भूमिदीन के रूप में हुई है।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया है। वहीं, फरार कार चालक की तलाश के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फ्लाईओवर बना यात्रियों की मुसीबत सैनी बस स्टेशन से 800 मीटर दूर रुकती हैं बसें, मूलभूत सुविधाओं का टोटा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। हाईवे के सैनी चौराहे पर फ्लाईओवर बनने के बाद बस अड्डे पर कानपुर जाने वाली बसें नहीं रुकती हैं। यात्रियों को बस पकड़ने के लिए 800 मीटर दूर चौराहे तक जाना पड़ता है। जहां बैठने, शौचालय और पेयजल की व्यवस्था भी नहीं है।

ज्ञात हो कि सैनी बस स्टेशन से कानपुर-प्रयागराज मार्ग पर लीडर रोड, -सिविल लाइंस, मिर्जापुर, किदवई नगर, विकास नगर, हमीरपुर और कैंट वाराणसी डिपो की करीब डेढ़ सौ बसों का आवागमन होता है। रोजाना लगभग 1500 यात्रियों का यहां से आवागमन होता है, लेकिन अब स्टेशन पर बसें न रुकने से यात्रियों को परेशानी होती है।

सैनी के सोहनलाल साहू और सिराथू प्रफुल्ल शुक्ला ने बताया कि चौराहे तक जाने के दौरान बैठने की कोई व्यवस्था नहीं है। न तो पेयजल की सुविधा है और न ही शौचालय उपलब्ध है। पांच वर्ष पूर्व यातायात व्यवस्था बेहतर करने के उद्देश्य से सैनी सहित 11 प्रमुख चौराहों पर फ्लाईओवर का निर्माण कराया गया था। लेकिन, अब बस कस्बे से न होकर फ्लाईओवर से गुजरने लगी हैं। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने प्रशासन से बस स्टेशन पर बस ठहराव की मांग की है।

कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य 10 फरवरी को जनपद के दौरे पर

कौशाम्बी। कृषक समृद्धि आयोग सदस्य कुलजीत सिंह 10 फरवरी 2026 को जनपद भ्रमण पर रहेंगे। वे पूर्वान्ह 11 बजे जनहितकारी इण्टर कालेज, चाकवन चौराहा भरवारी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। इसके पश्चात अपरान्ह 01 बजे शीतला देवी अतिथि गृह, सयारा में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और गौशाला, धान क्रय केन्द्र, बीज गोदाम, सहकारी समिति व मण्डी समिति का निरीक्षण कर खाद की उपलब्धता का जायजा लेंगे। किसानों के कल्याण, हितों की रक्षा और उनकी आय में वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कृषक समृद्धि आयोग का गठन किया गया है। भ्रमण के दौरान सदस्य अपरान्ह 02 बजे सयारा अतिथि गृह में प्रेस वार्ता भी करेंगे।

एडीएम शालिनी प्रभाकर ने सुनी 92 जनशिकायतें, 5 का ऑन-स्पॉट निस्तारण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद के सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर ने तहसील सिराथू में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिए। राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

ज्ञात हो कि अधिकारियों को समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया है ताकि कोई भी मामला लम्बित न रहे। सिराथू में कुल 92 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 05 का निस्तारण मौके पर हुआ। वहीं तहसील चायल में 32 शिकायतों में से 01 और मंझनपुर में 20 शिकायतों में से 02 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

युवा पत्रकार प्रेस क्लब की मासिक बैठक पत्रकार सुरक्षा और भवन निर्माण पर चर्चा

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ कस्बे के खुनुवा बाईपास मार्ग पर स्थित चौधरी मैरेज हॉल में रविवार को युवा पत्रकार प्रेस क्लब के पदाधिकारियों की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा, संरक्षण तथा क्षेत्र में घट रही विभिन्न घटनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम में मान्यता प्राप्त पत्रकार एवं समाजवादी पार्टी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल' मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार सरताज आलम, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक मुकेश धर द्विवेदी, प्रशासनिक अधिकारी हनुराम ओझा तथा समाजसेवी गोपाल प्रसाद फौजी मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों और पत्रकारों के परिचय के साथ हुई। बैठक में प्रेस क्लब भवन निर्माण की मांग सहित पत्रकारों के हित, सुरक्षा और संरक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।मुख्य अतिथि मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल' ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इसे मजबूत बनाने के लिए पत्रकारों के हितों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश भर में कई पत्रकार और संगठन निष्पक्ष एवं जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से समाज को जागरूक कर रहे हैं। पत्रकारों की सुरक्षा, स्वतंत्रता और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने पत्रकार सुरक्षा कानून, स्वास्थ्य बीमा, पेंशन सुविधाएं और मानदेय में सुधार जैसे प्रयासों को पत्रकारों के मनोबल के लिए महत्वपूर्ण बताया।उन्होंने ग्रामीण और कस्बा शोहरतगढ़ क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकारों की भूमिका को भी सराहते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद ये पत्रकार जमीनी मुद्दों को सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। पत्रकारों को सम्मान, आर्थिक स्थिरता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिलना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है।

कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार सरताज आलम, मुकेश धर द्विवेदी, प्रशासनिक अधिकारी हनुराम ओझा और समाजसेवी गोपाल प्रसाद फौजी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन युवा पत्रकार प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्रवण कुमार पटवा ने किया।मान्यता प्राप्त पत्रकार एवं समाजवादी पार्टी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल' ने

नववर्ष के उपलक्ष्य में पत्रकारों को डायरी और पेन भेंट कर शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर संगठन महामंत्री धर्मेंद्र कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष पीयूष सिंह, वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक रामदेव द्विवेदी, शरदेंदु त्रिपाठी, अभिषेक श्रीवास्तव, अनूप गोस्वामी, दिनेश कुमार, अभिषेक शुक्ला, अशोक दूबे, इसरार हुसैन, चंदन कुमार वर्मा, जीत बहादुर श्रीवास्तव, राकेश, इंद्रेश तिवारी, अमिताभ श्रीवास्तव, नवरंगी यादव, शिवरतन कनौजिया, एंकर इमरान खान, अतुल शुक्ला, अजय चौरसिया, शादाब, घनश्याम यादव, अमिताभ श्रीवास्तव सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

डिप्रेशन से जूझ रही महिला ने पति की रायफल से की आत्महत्या

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद के पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहाँ एक महिला ने मानसिक तनाव के चलते अपने पति की लाइसेंसी रायफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आनन-फाणन में परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका संगीता सिंह (42 वर्ष), पत्नी करन सिंह, पचम्भा की निवासी थीं और वर्तमान में पूरब शरीरा स्थित निजी आवास में रह रही थीं। उनके पति क्षेत्र में सहज जनसेवा केंद्र संचालित करते हैं।

ज्ञात हो कि संगीता पिछले काफी समय से गंभीर मानसिक बीमारी और डिप्रेशन से जूझ रही थीं, जिसका इलाज प्रयागराज के डॉक्टरों से चल रहा था। रात को अचानक उन्होंने आत्मघाती कदम उठाते हुए पति की रायफल से सीने में गोली मार ली। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने घटनास्थल का मुआयना किया और बताया कि शुरुआती जांच में मामला डिप्रेशन से जुड़ा पाया गया है।

पुलिस द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी तथा थानाध्यक्ष नरायन लाल श्रीवास्तव थाना ढेबरुआ के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति व साइबर क्राइम, मिशन शक्ति केंद्र, बहू बेटी सम्मेलन एवं नए कानून के संबंध के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम - हसुडी उर्फ गजेहडी की बालिकाओं/महिलाओं को महिला संबंधी अपराध, साइबर अपराध सुरक्षा व उससे बचाव के संबंध मे कांस्टेबल बृजेश गौतम ,

महिला कांस्टेबल मीरा रानी, महिला कांस्टेबल श्रद्धा त्रिपाठी ने जागरुक किया गया तथा दहेज उत्पीड़न व 03 नये कानून के बारे में एवं केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजना जैसे कि सुमंगला कन्या योजना वृद्धा पेंशन योजना किसान सम्मन निधि योजना विधवा पेंशन योजना शहरी व ग्रामीण आवासीय योजनाओं महिला सशक्तिकरण संबंधी बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, कानूनों की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये अभियान के तहत जागरुक किया गया महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112, 108, 102 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, आदि के बारे में जानकारी दी गयी।

सैनी कोतवाली क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट से मकान जलकर राख, लाखों का नुकसान

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के अजुहा कस्बे में शनिवार को बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से एक दो मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे घर में रखी लाखों की नकदी और कीमती सामान जलकर खाक हो गया। घटना अजुहा कस्बे के वार्ड नंबर 3, शांति नगर की है, जहाँ पप्पू चौरसिया के मकान में अचानक चिंगारी उठने से यह हादसा हुआ।

ज्ञात हो कि आग की लपटें देख स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में टीवी, फ्रिज, कूलर, अलमारी और अन्य कीमती गृहस्थी सहित नकदी जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना हल्का लेखपाल को दे दी गई है और स्थानीय नागरिकों ने पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है।

सरकारी योजनाओं के लिए 22 फरवरी को मेगा विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद में बृहद् विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर का आयोजन 22 फरवरी 2026 को किया जाएगा। इस विशेष शिविर में केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्रों को चिन्हित कर उन्हें सीधे लाभान्वित किया जाएगा।

ज्ञात हो कि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आस्था मिश्रा के अनुसार, मुख्य आयोजन से पूर्व तहसील स्तर पर प्री-कैंप आयोजित होंगे। तहसील चायल में 10 फरवरी, सिराथू में 13 फरवरी और मंझनपुर में 17 फरवरी को प्री-कैंप लगेंगे। मेगा शिविर में 44 विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। इच्छुक पात्र व्यक्ति शिविर में पहुँचकर शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

मतदाता सूची पुनरीक्षण : दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की अंतिम तिथि अब 06 मार्च

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शालिनी प्रभाकर ने अवगत कराया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि अब 06 मार्च 2026 तक बढ़ा दी गई है। इस अवधि में बूथ लेविल अधिकारी पूर्वान्ह् 10 बजे से 12 बजे तक उपस्थित रहकर फार्म-6, 7 और 8 प्राप्त करेंगे।

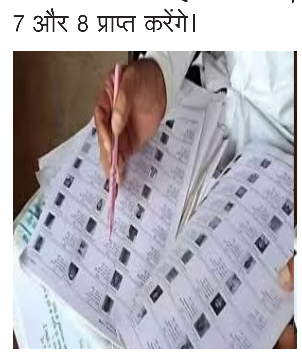

ज्ञात हो कि यदि कोई मतदाता 01 अप्रैल, 01 जुलाई या 01 अक्टूबर 2026 को अर्ह हो रहा है, तो वे भी फार्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। नाम कटवाने के लिए फार्म-7 और संशोधन या निवास परिवर्तन के लिए फार्म-8 का प्रयोग किया जा सकता है। यह प्रक्रिया चुनाव आयोग के मोबाइल ऐप और वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भी पूर्ण की जा सकती है।

महाशिवरात्रि पर सतरंगी छंटा में दर्शन देंगे वेद रक्षित धर्मगुरु त्रिशूल भगवान

14 फरवरी को होगा त्रिशूल भगवान का मुकुट पूजन उत्सव एवं संगीत संध्या

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जय शवि सेना उत्तर प्रदेश की संगठनात्मक बैठक मुट्ठीगंज कार्यालय पर आयोजित किया गया इस अवसर बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन के मुख्य संरक्षक दिगंबर त्रिपाठी एवं प्रांतीय अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर ने कहा कि 14 फरवरी को शाम 5 बजे वेद रक्षित धर्मगुरु श्री त्रिशूल भगवान का मुकुट पूजन उत्सव एवं संगीत संध्या का होगा आयोजन और महाशिवरात्रि 15 फरवरी को सुबह 10 बजे हरिहर नाथ मंदिर मीरापुर में रुद्राभिषेक पूजा एवं महाआरती के पश्चात भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

संचालन करते हुए प्रांतीय महामंत्री राजेश केसरवानी ने बताया कि त्रिशूल भगवान सतरंगी छंटा में भक्तों को दर्शन देंगे और कहा कि शोभा यात्रा में महाकाल एवं महाकाली और हनुमान जी गणेश भगवान एवं कृष्ण सुदामा की भव्य झांकियां शामिल होगी इसके अलावा काशी का मृदंग राजस्थानी ढोल, डीजे, ब्रास बैंड धर्म ध्वजा की गाड़ी और रानी लक्ष्मीबाई अश्व पर सवार होकर निकलेगी यात्रा में मीरा पुर, करैला बाग, शास्त्री नगर मुट्ठी गंज, नकासकोना, गढ़ीकला, जानसेनगंज, हिम्मत गंज मलाकराज, अतरसुईया से शिव सैनिक अस्त्र शस्त्र के साथ अपनी यात्रा के साथ निकलेंगे और शोभा यात्रा अपने निर्धारित मार्ग से होकर निकलेगी और यात्रा मार्ग में जगह-जगह पर स्वागत मंच बनाए जाएंगे।

इस अवसर रोशनी अग्रवाल अजय अग्रहरि, पार्षद रूद्रसेन जायसवाल, प्रवीण कुमार, सुशील जैन, मोनू सेठ, आलोक केसरवानी, अन्नू केसरवानी शुभम शर्मा, अभिलाष केसरवानी शत्रुघ्न जायसवाल, नीरज केसरवानी, सुमित केसरवानी, सचिन गुप्ता सुनील केसरवानी राजकुमार केसरवानी, कमल सिंह शनी सोनकर आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीपीएस जनपद में प्रेप ग्रेजुएशन संग क्वेस्ट जूनियर विज्ञान उत्सव का भव्य आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। दिल्ली पब्लिक स्कूल प्रयागराज में प्रेप ग्रेजुएशन समारोह के साथ-साथ क्वेस्ट जूनियर (विज्ञान उत्सव) का आयोजन बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रेप कक्षा के विद्यार्थियों को औपचारिक स्कूली जीवन में प्रवेश के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सरिता खंडाका (विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय) तथा प्रो. अशोक कुमार पाठक (विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, इविंग क्रिश्चियन कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। वहीं विद्यालय की अध्यक्षा सुश्री सोनू सिंह, प्रधानाचार्या डॉ. सुजाता सिंह, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावकगण भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इस अवसर का मुख्य उद्देश्य नन्हे विद्यार्थियों की प्रतिभा और उपलब्धियों को मंच प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन करना रहा।

मुख्य अतिथियों ने बाल वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने की विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए इसे अत्यंत सराहनीय बताया। प्रधानाचार्या डॉ. सुजाता सिंह ने अभिभावकों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए 'कक्षा से परे सीखने' एवं 'अनुभवात्मक शिक्षा' पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि क्वेस्ट जूनियर बच्चों की जिज्ञासा को विकसित कर उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भविष्य का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर क्वेस्ट जूनियर 2026 जूनियर स्कूल विज्ञान उत्सव का भी विधिवत उद्घाटन किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों में टीमवर्क, आलोचनात्मक सोच एवं आत्मविश्वास जैसे गुणों का विकास करना था।

विद्यालय परिसर में विभिन्न इंटरैक्टिव जोन आकर्षण का केंद्र रहे। इनमें 'द एक्सपेरिमेंटेरियम', 'नेचुरेक्स', 'हाइड्रो हब' तथा 'इनोवेटर शोकेस' प्रमुख रहे, जहाँ छात्रों ने अपने नवाचार और प्रयोगों का प्रदर्शन किया। इसके अलावा 'टाइनी स्टार्स परेड' और 'न्यूट्रिशन स्टेशन' ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। माता-पिता एवं शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी और सराहना के साथ यह भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सीआरपीएफ मोंटेसरी स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह संपन्न

बच्चे किताबों से कम, उदाहरणों से अधिक सीखते हैं : डीआईजी धीरज कुमार

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र स्थित मेंस क्लब में रविवार को मोंटेसरी स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीआईजी धीरज कुमार ने कहा कि बच्चे किताबों से कम और अपने आसपास के उदाहरणों से अधिक सीखते हैं। बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में घर और विद्यालय दोनों की समान भूमिका होती है।समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीआईजी धीरज कुमार ने पत्नी श्वेता के साथ संयुक्त रूप से भगवान गणेश की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन करके किया। इसके बाद नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि डीआईजी धीरज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि घर बच्चे का पहला विद्यालय होता है, जहां उसके संस्कार, व्यवहार और सोच की नींव पड़ती है। स्कूल अच्छी आदतों की शुरुआत करता है, लेकिन उन्हें स्थायी बनाने का दायित्व अभिभावकों का होता है। उन्होंने कहा कि यदि स्कूल अनुशासन सिखाए और घर में ढील दी जाए, तो बच्चा सहज रूप से सुविधा का रास्ता चुनता है।

उन्होंने कहा कि 'स्कूल बीज बोता है और उसे सींचने का काम घर करता है।' डीआईजी धीरज कुमार ने कहा कि बच्चों का व्यवहार सिखाया नहीं जाता, बल्कि अपनाया जाता है। बच्चे सुनकर नहीं, देखकर सीखते हैं। यदि अभिभावक शिष्टाचार, पढ़ने की आदत और समय की पाबंदी बच्चों में देखना चाहते हैं, तो उन्हें स्वयं इसका पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि घर में शिक्षकों के प्रति कही गई बातें बच्चों के कक्षा व्यवहार को सीधे प्रभावित करती हैं। शिक्षक के प्रति सम्मान बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने भावनात्मक सुरक्षा को बच्चों के आत्मविश्वास की नींव बताते हुए कहा कि धैर्य और प्रेम से समझाया गया बच्चा संयम सीखता है, जबकि गुस्से से समझाया गया बच्चा डर या विद्रोह की ओर बढ़ता है। मोंटेसरी शिक्षा पद्धति स्वतंत्रता और प्रयास को महत्व देती है, इसलिए बच्चों को गलती करने और उससे सीखने का अवसर मिलना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान शैक्षिक व खेलकूद गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उप कमांडेंट राकेश त्रिपाठी, उप कमांडेंट के.के. झा, सहायक कमांडेंट शैलेश कुमार सिंह प्रधानाचार्य बीना मिश्रा पूनम सिंह कंचन शर्मा सीमा तिवारी एकता समेत विद्यालय के सभी शिक्षिकाएं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्री श्री 108 काल भैरव, बउचरा माता प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ

सनातन धर्म से लोगों को जोडना है उददेश्य : स्वामी राजेश्वरी नंद गिरि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा झारखंड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि (रोज मौसी) ने आज कहा कि किन्नर अखाड़ा सनातन धर्म से अधिक से अधिक लोगों को जोडते हुए आगे बढ रहा है क्योंकि किन्नर अखाड़ा के गठन के बाद से बडी संख्या में लोग तेजी से सनातन धर्म से जुडकर मजबूत कर रहे है।उन्होंने कहा कि इसका सारा श्रेय किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) श्री श्री 1008 किन्नर पीठाधीश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज को है जिन्होंने देश, विदेश के लाखों लोगों को सनातन धर्म से जोडकर नया इतिहास बना दिया।

स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि (रोज मौसी) ने आज बताया कि तीन दिवसीय श्री श्री 108 काल भैरव और बउचरा माता के मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ कार्यक्रम सात मार्च से शुरू होकर नौ मार्च तक श्री मंगलमुखी धाम, बंधा पोखर के सामने, देवघर में चलेगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किन्नर अखाडा की आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) श्री श्री 1008 किन्नर पीठाधीश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज है। महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि ने बताया कि पहले दिन सात मार्च को भव्य कलश यात्रा सुबह नौ बजे निकलेगी, दूसरे दिन आठ मार्च को वेदी पूजन, आधिवास और नौ मार्च को पूर्णाहुति, संत सम्मेलन और महा प्रसाद का वितरण होगा जिसमें बडी संख्या में किन्नर संत और क्षेत्रीय लोग शामिल होगे।

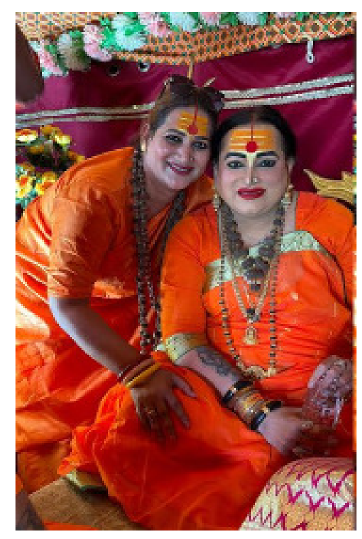

शिव साधना के साथ जारी रहेगा अन्न दान

सीएम संतों, सनातन धर्मावलंबियों की आशा, पीएम बनने की योग्यता : प्रभु जी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, सीतापुर, अयोध्या के विवि, मेडिकल कालेज के छात्रों को पांच वर्ष से मिल रहा निःशुल्क खाना प्रयागराज। ओम नमः शिवाय संस्थान के संस्थापक प्रभु जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन धर्म के सच्चे रक्षक और संरक्षक है। उन्होंने कहा कि पीएम और सीएम ने संतों और सनातन धर्मावलंबियों की आशा के अनुरूप काम किया है। घृणित मानसिकता वाला व्यक्ति ही इनकी कार्यप्रणाली पर अनर्गल प्रश्नचिह्न लगा सकता है। यह बातें ओम नमः शिवाय संस्थान के संस्थापक प्रभु जी ने आज कही। परेड मैदान स्थित शिविर में श्रद्धालुओं से ओम नमः शिवाय संस्थान के संस्थापक प्रभु जी ने कहा कि कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ से हमें काफी आशा है। पीएम मोदी के बाद उनके अंदर प्रधानमंत्री बनने की योग्यता है। इस मंशा की पूर्ति के लिए निरंतर अनुष्ठान कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि माघ मेला के बाद भी शिव साधना और अन्न दान चलता रहेगा। माघ मेला शुरू होने से पहले अक्टूबर माह से कर्मचारियों व श्रमिकों के निमित्त भंडारा शुरू किया गया था। मेला के दौरान दो दर्जन स्थानों पर 24 घंटे लोगों को भोजन कराया गया। इसमें लगभग तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। उन्होने बताया कि 49 वर्ष से ओम नमः शिवाय संस्थान सेवा कार्य कर रहा है। ओम नमः शिवाय संस्थान के व्यवस्थापक शिवम सिंह ने बताया कि माघ मेला के दौरान 38 डीसीएम आलू, 15 ट्रक आटा, 25 ट्रक चावल, पांच ट्रक बेसन, 45 डीसीएम सब्जी, 50 कुंतल मसाला, पांच हजार किलो दही, 5000 लीटर दूध सहित अन्य खाध सामाग्रियों का प्रयोग भण्डारे में किया गया। 480 ट्रैक्टर लकड़ी और गैस का प्रयोग खाना बनाने मे किया गया। परेड की लाल रोड, त्रिवेणी मार्ग, दारागंज के गल्ला मण्डी और संगम लोवर चौराहे पर भोजन बनता था, जबकि 20 बैटरी वाले रिक्शे सहित अन्य दर्जनभर गाड़ियों से मेला क्षेत्र के अलावा बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, मेला कार्यालय, पुलिस सहित अन्य विभागों के पास उसे वितरित कराया गया। प्रयागराज के अलावा अयोध्या धाम, कानपुर, लखनऊ और सीतापुर में विशाल भंडारा चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, सीतापुर, अयोध्या के विवि, मेडिकल कालेज के मरीज, अभिभावक और छात्रों को पांच वर्ष से निःशुल्क खाना मिल रहा है।

मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक डॉ. संतोष सिंह ने जनजातीय क्षेत्र में किया निःशुल्क चिकित्सा सेवा का कार्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' की भावना को साकार करते हुए गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 के तहत मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ सर्जन डॉ.संतोष सिंह ने लखीमपुर खीरी जिले के नेपाल सीमा से सटे थारू जनजातीय क्षेत्र के मसान खम्भ एवं सौनहा गांव में निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान कर मानव सेवा की मिसाल पेश की।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज के असिस्टेंट प्रोफेसर (सर्जरी) एवं मीडिया प्रभारी डॉ. संतोष सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में 6 एवं 7 फरवरी को कुल लगभग 350 रोगियों की जांच व उपचार किया गया। मरीजों को निःशुल्क परामर्श, दवाइयां एवं आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई।

यह सेवा अभियान श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास, सेवा भारती एवं नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

डॉ.संतोष सिंह ने बताया कि सीमावर्ती एवं जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को देखते हुए ऐसे शिविर अत्यंत आवश्यक हैं। जरूरतमंदों के चेहरे पर आई मुस्कान ही उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है।

शिविर में सामान्य रोग, पेट रोग, त्वचा रोग, महिला व बाल रोग, सर्जिकल परामर्श तथा प्राथमिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। गंभीर मरीजों को आगे के उपचार के लिए जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज रेफर भी किया गया।

इस सेवा कार्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गोला जिले के जिला प्रचारक श्री शिव प्रकाश जी, शिवनाथ जी, डॉ. शिवम, डॉ. अंकित, डॉ. ओम, डॉ. सत्यम, नर्सिंग स्टाफ प्रतिभा राणा जी एवं रामदेवी जी सहित स्थानीय ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा।डॉ. भूपेंद्र सिंह जी, डॉ. जय राम जी, डॉ. आदर्श जी, डॉ रवि शंकर सिंह, डॉ सुधांशु सिंह एवं अन्य व्यवस्थापक साथियों ने व्यवस्थाओं को सफल बनाया।

ग्रामीणों ने चिकित्सक दल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्गम क्षेत्र में इस तरह की सेवा उनके लिए वरदान साबित हुई है।

डॉ. संतोष सिंह ने सभी सहयोगियों एवं आयोजक संस्थाओं के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा अभियानों में सक्रिय भागीदारी जारी रहेगी।

विकसित भारत 2047 में समावेशी विकास के लिए एआई का उपयोग' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) इलाहाबाद, प्रयागराज द्वारा 'विकसित भारत 2047 में समावेशी विकास के लिए एआई का उपयोग' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत एआई मिशन के अंतर्गत आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट -2026 की प्री-समिट गतिविधि के रूप में संपन्न हुआ। संगोष्ठी में एमएनएनआईटी इलाहाबाद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, सैम हिगिनबॉटम विश्वविद्यालय, सीएमपी डिग्री कॉलेज, यूनाइटेड यूनिवर्सिटी, शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पॉलिटेक्निक कॉलेज आदि 7 से अधिक संस्थानों से लगभग 100 पंजीकृत प्रतिभागियों (शिक्षक, विद्यार्थी एवं अतिथि) ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. एम. एम. गोरे, निदेशक (प्रभारी), एमएनएनआईटी इलाहाबाद, विशिष्ट अतिथि प्रो. संजय मिश्रा (सीनियर साइंटिस्ट, इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी टेक्नोलॉजी, नॉर्वे) तथा प्रो. मयंक पांडेय, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, एमएनएनआईटी इलाहाबाद ने अपने विचार व्यक्त किए। नोडल अधिकारी प्रो. अनिल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया। संगोष्ठी में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं शासन जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर विशेष रूप से चर्चा की गई, जिससे ग्रामीण-शहरी एवं सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम किया जा सके।

तकनीकी सत्रों में एचसीएलटेक, नोएडा के अनुराग पांडेय ने कंप्यूटर विज़न समाधानों की तैनाती पर व्यावहारिक जानकारी दी। प्रो. संजय मिश्रा ने डिजिटल संप्रभुता एवं आत्मनिर्भर भारत के संदर्भ में एआई की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. सरसिज त्रिपाठी ने आईओटी में एआई के उपयोग, जबकि डॉ. जूही चौहान ने स्वास्थ्य क्षेत्र में डेटा-केंद्रित एआई और उससे जुड़ी चुनौतियों पर व्याख्यान दिया।

समापन सत्र में नोडल अधिकारी प्रो. अनिल कुमार सिंह एवं समन्वयक डॉ. बी. वासु ने कहा कि एआई केवल तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि समावेशी एवं सतत विकास का सशक्त माध्यम है। अंत में समन्वयक डॉ. सरसिज त्रिपाठी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

माँ शबरी जयंती की परमार्थ निकेतन से अनेकानेक शुभकामनायें

माँ शबरी की भक्ति की पराकाष्ठा, न वैभव, न विद्या, केवल अथाह प्रेम का सागर : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन से आज माँ शबरी जयंती के पावन अवसर पर भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की। इस दिव्य अवसर पर पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अपने संदेश में कहा कि अद्भुत है माँ शबरी की भक्ति की पराकाष्ठा, न वैभव, न विद्या, केवल अथाह प्रेम का सागर है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि निष्कलुष हृदय, अटूट श्रद्धा और पूर्ण समर्पण से प्रशस्त होता है। माँ शबरी, सनातन संस्कृति में भक्ति की सर्वोच्च परिभाषा है।

माँ शबरी आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध थीं। उन्होंने अपने गुरु मतंग ऋषि के वचनों को ही जीवन का लक्ष्य बना लिया। गुरु ने कहा था 'प्रभु श्रीराम तुम्हारे आश्रम अवश्य आएंगे।' बस यही विश्वास उनकी साधना बन गया। वर्षों की प्रतीक्षा उनके लिए तपस्या बनी, तितिक्षा उनकी शक्ति बनी और समर्पण उनकी आराधना बन गया। प्रत्येक दिन वे उसी प्रेम से पथ बुहारतीं, पुष्प सजातीं और आश्रम को ऐसे संवारतीं मानो आज ही प्रभु पधारेंगे। यह प्रतीक्षा साधारण प्रतीक्षा नहीं थी; यह धैर्य, विश्वास और अखंड आस्था का दिव्य उदाहरण थी। आज के युग में जहाँ क्षणिक परिणाम चाहता है, वहाँ शबरी का जीवन हमें संदेश देता है कि सच्ची भक्ति में समय का बंधन नहीं होता। भक्ति में अधीरता नहीं, धैर्य होता है; अपेक्षा नहीं, समर्पण होता है।

शास्त्रों में कहा गया है 'भक्त्या त्वनन्यया शक्य अहमेवंविधोऽर्जुन।' अर्थात् केवल अनन्य भक्ति से ही परमात्मा की प्राप्ति संभव है। माँ शबरी ने इस सत्य को अपने जीवन से सिद्ध किया। जब प्रभु श्रीराम उनके आश्रम पहुँचे, तब उन्होंने प्रेमपूर्वक जूठे बेर अर्पित किए। यह बाह्य दृष्टि से साधारण घटना प्रतीत हो सकती है, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह प्रेम की पराकाष्ठा थी। प्रभु ने उस प्रेम को स्वीकार किया, क्योंकि ईश्वर को वस्तु नहीं, भावना प्रिय होती है। माँ शबरी की कथा आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की दौड़, तनाव और स्पर्धा के बीच हम भक्ति की सरलता को भूलते जा रहे हैं। आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में शबरी जैसी निष्ठा, धैर्य और समर्पण को स्थान दें। जब हमारा प्रत्येक कर्म सेवा बन जाए, प्रत्येक विचार प्रार्थना बन जाए और प्रत्येक श्वास राम नाम से ओतप्रोत हो जाए, तभी सच्ची आध्यात्मिक उन्नति संभव है।

सम्पादकीय

चुनाव से पहले सौगातें, बाद में सवाल अब हस्तक्षेप की बारी, मुफ्त उपहारों की राजनीति पर रोक की सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद

देश में चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक दलों की ओर से मतदाताओं को रिझाने के लिए जिस तरह मुफ्त तोहफों या उपहारों की राजनीति की जा रही है, उसने एक तरह से नतीजों की शुचिता को कसौटी पर रख दिया है। भारतीय राजनीति में पिछले कई वर्षों से यह प्रवृत्ति जटिल होती गई है। हालांकि इस मसले पर सवाल भी उठे हैं और मुफ्त तोहफों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने को लोकतंत्र के लिए एक घातक चलन बताया गया है। विडंबना यह है कि लगभग सभी राजनीतिक दल इस प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हैं, लेकिन मौका मिलने पर वे भी इसी तरीके को एक औजार की तरह इस्तेमाल करते हैं।

खासतौर पर जो दल या गठबंधन सत्ता में होते हैं, वे वादों या घोषणाओं के साथ-साथ चुनावों के ठीक पहले कोई योजना या कार्यक्रम लागू करने के जरिए भी मतदाताओं को लाभ पहुंचाने की कोशिश करते हैं। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुफ्त उपहारों को भारतीय राजनीति में एक घातक प्रवृत्ति बताया है, लेकिन इस पर रोक को लेकर अब तक कोई ठोस नियमन सामने नहीं आ सका है।

यही वजह है कि आज राजनीतिक दलों के बीच एक तरह की होड़ देखी जाती है कि वोट हासिल करने के लिए मतदाताओं को कौन कितना ज्यादा लाभ पहुंचाने की घोषणा करता है। नतीजतन, स्वच्छ चुनाव और विवादरहित नतीजे आज एक सदिच्छा की तरह लगने लगे हैं। राजनीतिक दलों से यह उम्मीद करना मुश्किल हो गया लगता है कि इस दिशा में वे अपनी ओर से कोई ऐसी पहल करेंगे, जो चुनावी जीत के लिए मुफ्त की रेवड़ियों के चलन पर रोक लगाएं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मसले पर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है, तो इससे एक बार फिर मुफ्त की चुनावी रेवड़ियों पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है।

गौरतलब है कि करीब चार साल पहले सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने केंद्र और निर्वाचन आयोग से उस याचिका पर जवाब मांगा था, जिसमें चुनाव से पहले 'अतार्किक मुफ्त उपहार की घोषणा' या इसे वितरित करने वाली राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त या उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। उस समय पीठ ने इसे गंभीर मुद्दा करार दिया था और कहा था कि कभी-कभी मुफ्त उपहार योजना का बजट नियमित बजट से अधिक हो जाता है।

सवाल है कि अगर कोई मतदाता मुफ्त की सौगात दिए जाने के असर में किसी उम्मीदवार को वोट देता है, तो क्या यह एक तरह की सौदेबाजी नहीं कही जाएगी? अगर कोई सत्ताधारी पार्टी चुनावों के ठीक पहले किसी योजना या कार्यक्रम के जरिए मतदाताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाती है, तो उसकी जीत को कितना निष्पक्ष माना जाएगा? दिनोंदिन बढ़ती मुफ्त उपहारों की राजनीति के बीच होने वाले चुनाव को किस हद तक स्वच्छ और स्वतंत्र कहा जाएगा?

अफसोस की बात यह है कि लंबे समय से इस पर सवाल उठने के बावजूद अब तक इस दिशा में ऐसा कानून जमीन पर नहीं दिखता है, जो राजनीतिक दलों को मतदाताओं के सामने मुफ्त उपहारों का लोभ परोसने और इसके जरिए उनका वोट हासिल करने की कोशिश करने से रोक सके। यह स्पष्ट होना चाहिए कि 'अतार्किक मुफ्त उपहार' के चुनावी वादे मतदाताओं को गलत तरीके से प्रभावित करने की कोशिश हैं और इससे न केवल राजनीतिक दलों के बीच स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा बुरी तरह प्रभावित होती है, बल्कि निर्वाचन प्रक्रिया की शुचिता भी दूषित होती है।

अरावली में पड़ीं 12 दरारें, दिल्ली-एनसीआर के रेगिस्तान में बदलने का खतरा, वन मंत्रालय की रिपोर्ट ने दी चेतावनी

अरावली की पहाड़ियों में उत्खनन से बढ़ रहे खतरे का संकेत पर्यावरण के संरक्षक यों ही नहीं दे रहे थे। इन अनुमानों का सत्य इस पर्वतमाला में पड़ी बारह दरारों से सामने आ गया है। इस कारण अरावली पर्वत श्रृंखलाएं न केवल लगातार कमजोर हुई हैं, बल्कि माना जा रहा है कि ये थार रेगिस्तान से पूर्व की ओर खिसकना शुरू हो गई हैं। इस कारण राजस्थान के जयपुर सहित हरियाणा और दिल्ली क्षेत्र तथा गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों के पर्यावरण पर गंभीर एवं विपरीत असर पड़ने का खतरा बढ़ गया है। यह जानकारी वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की ओर से पिछले दिनों जारी एक रपट में दी गई है। इसमें वर्ष 1972-75, 1982-84, 1994-96 और विशेष रूप से 2005-2007 के कालखंड में किए गए क्रमिक उपग्रह आधारित अध्ययनों का हवाला दिया गया है।

इस रपट के अनुसार, अरावली पर्वतमाला पर बनी बारह बड़ी दरारों के माध्यम से रेगिस्तानी रेत पूर्व की ओर बढ़ रही है। वर्ष 2005-07 के बाद अरावली की रेगिस्तान को आगे बढ़ने से रोकने वाली क्षमता में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है, क्योंकि इसी दौर में गुड़गांव समेत दिल्ली-आसपास के क्षेत्र में शहरीकरण के साथ औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विस्तार के लिए वनों की कटाई के साथ व्यापक स्तर पर पत्थर उत्खनन हुआ है। इसके नतीजतन पर्वतमाला की बारह प्रमुख दरारें अजमेर की मगरा पहाड़ियों से निकलकर झुंझूनूं के खेतड़ी और माधोगढ़ होते हुए हरियाणा के महेंद्रगढ़ तक फैल गई हैं। इन्हीं कमजोर हिस्सों से थार रेगिस्तान की रेत पूर्व की ओर बढ़ रही है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भी अपने अध्ययन से चेताया था कि आने वाले वर्षों में रेगिस्तान से उठने वाले रेत के तूफान दिल्ली और एनसीआर तक पहुंचकर इनके पर्यावरण को गंभीर रूप से बिगाड़ने का काम कर सकते हैं। मगर इन सर्वेक्षणों और अध्ययनों को संबंधित राज्यों एवं केंद्र सरकार ने शायद गंभीरता से नहीं लिया है।

अरावली की पहाड़ियां दुनिया की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक हैं। लगभग 692 किलोमीटर के दायरे में फैली ये पहाड़ियां गुजरात से शुरू होकर राजस्थान, हरियाणा होते हुए दिल्ली तक पसरी हैं। इन पहाड़ियों का मानव समुदाय के लिए गहरा प्राकृतिक महत्त्व है। इस क्षेत्र में रहने वाले जीव-जगत की सांसें इन पर्वतमालाओं से गुजरने वाली शुद्ध हवा पर निर्भर है। इन्हीं पहाड़ियों की ओट पश्चिमी रेगिस्तान को फैलने से रोके हुए है, अन्यथा हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश की जो उपजाऊ भूमि है, उसे रेगिस्तान में तब्दील होने में समय नहीं लगेगा। इन पहाड़ियों की हरियाली नष्ट होने से आसपास के क्षेत्र में शुष्कता का विस्तार हो रहा है और गर्मी बढ़ रही है। इसके परिणामस्वरूप भू-जल स्तर भी आशंका से कहीं ज्यादा नीचे जा रहा है। लोगों में सांस और दमा की बीमारियां बढ़ रही हैं।

रपट में कहा गया है कि अरावली पर्वत श्रृंखला सामान्य परिस्थितियों में तापमान को डेढ़ से ढाई डिग्री तक नियंत्रित रखने और भू-जल के पुनर्भरण में अहम भूमिका निभाती है। इनमें प्रति हेक्टेयर बीस लाख लीटर भू-जल पुनर्भरण की अद्वितीय क्षमता है। इन पहाड़ियों के लगातार क्षरण एवं मरुस्थलीकरण के खतरे से दिल्ली और आसपास के भू-भागों का तापमान बढ़ा है और धूल से भरी आंधियों की अवधि बढ़ने के साथ इनकी तीव्रता में भी तेजी आई है। पर्यावरण विशेषज्ञों का अनुमान है कि हरियाणा की 8.2 फीसद भूमि मरुस्थलीकरण के दायरे में है, क्योंकि वर्ष 2019 तक ही अरावली का लगभग 5.77 लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र उत्खनन से तबाह हो चुका था। इससे स्पष्ट है कि विकास की प्रक्रिया में अवैज्ञानिक तरीकों की जानकारी होने के बावजूद अरावली संकट को नजरअंदाज किया गया है।

पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर अरावली पहाड़ियों को नए सिरे से परिभाषित किया गया। इस परिभाषा से संरचनात्मक विरोधाभास की स्थिति निर्मित हुई और लगा कि इससे अनियंत्रित खनन को बढ़ावा मिल सकता है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने अपनी रपट में न्यायालय को बताया था कि सौ मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली पर्वतमाला माना जाएगा। अर्थात निन्यानबे मीटर तक की ऊंची पहाड़ियां अरावली के हिस्से से बाहर हो जातीं। इससे अरावली के बड़े क्षेत्र में उत्खनन का रास्ता खुल जाता।

इससे यह आशंका भी पैदा हुई कि आखिर सरकार इन पहाड़ियों को इस तरह से परिभाषित करके किसके हित साधना चाहती है? जबकि इन पहाड़ियों की ऊंचाई के कारण ही ये प्राकृतिक रूप से उड़ने वाली धूल को रोकने का काम करती हैं। इसके साथ ही सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि अरावली के कुल 1.44 लाख वर्ग किमी क्षेत्र में से फिलहाल 0.19 फीसद भू-भाग में ही उत्खनन के पट्टे दिए जा रहे हैं। हालांकि बाद में तर्कों के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली की परिभाषा से संबंधित अपने निर्देशों पर रोक लगा दी।

अरावली पर्वतमाला पारिस्थितिकी रूप से बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। इसीलिए इसके व्यापक पुनर्स्थापन और ठोस संरक्षण की जरूरत है, न कि पहाड़ियों को पुनर्भाषित करके इनके दोहन को बढ़ावा देने की? ये पर्वतमाला मैदानी क्षेत्रों को रेगिस्तान में बदलने से तो रोकती ही है, इन्हीं पहाड़ियों में कई छोटी-बड़ी नदियों के उद्गम स्थल हैं। अनेक झील, झरने और तालाब इस पर्वतमाला के बीच में प्राकृतिक रूप से अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, जो न केवल क्षेत्र के जीव-जगत को पानी उपलब्ध कराते हैं, बल्कि भूजल पुनर्भरण का काम भी करते हैं।

यही नहीं, इन पहाड़ियों के गर्भ में इमारती पत्थर, संगमरमर, ग्रेनाइट और चूना बड़ी मात्रा में समाया हुआ है। साथ ही जस्ता, तांबा, लेड और टंगस्टन जैसे दुर्लभ खनिज भी इनकी कोख में मौजूद हैं। मगर इस खनिज संपदा के दोहन के लिए पहले यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि पर्यावरण को किसी तरह की क्षति न पहुंचे।

इसे वर्तमान विकास की विडंबना ही कहा जाएगा कि अधिकतम प्राकृतिक संपदाओं के दोहन को आधुनिक एवं आर्थिक विकास का नीतिगत आधार बना दिया गया है। इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि हमारे यहां जिस तरह से प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हो रहा है, उस लिहाज से मौजूदा आर्थिक विकास की निरंतरता कैसे बनी रह सकती है। यह सवाल भी अनुत्तरित है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर विकास को आगे बढ़ाना कितना नुकसानदेह साबित हो सकता है। दीर्घकालिक दृष्टि से देखें, तो विकास की यह अवधारणा उस बहुसंख्यक आबादी के लिए जीने का भयावह संकट खड़ा कर सकती है, जिसकी रोजी-रोटी की निर्भरता प्रकृति पर ही अवलंबित है।

हालांकि अरावली पर्वतमाला में पड़ी कई दरारों को लेकर उपग्रह सर्वेक्षणों के खुलासे और पर्यावरणविदों की राय के बाद शीर्ष न्यायालय ने इस मसले पर पुनर्विचार करने का निर्णय लिया है। इसलिए यह उम्मीद बंधी है कि अरावली संकट से जुड़े तमाम पहलुओं पर अब नए सिर से बहस होगी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी चिंता का समाधान औद्योगिक विकास एवं वाणिज्यिक लाभ-हानि के गुणा-भाग से परे जल, जंगल और जमीन के रख-रखाव के पैमाने पर होगा।

नींद जिसे हम गंवाना समझते हैं, वही है सेहत की असली दौलत, जानिए भरपूर सोने का दिमाग और शरीर पर असर

प्रकृति प्रदत्त नेमतों की कोई कीमत नहीं। वे अनमोल होती हैं। अब नींद को ही देखा जाए। हमारे आसपास ऐसे लोग आम हैं, जिनकी नजर में सोना वक्त गंवाना है। 'जो लोग सोते हैं, वे खोते हैं', इस आशय से कई कहावतें और उक्तियां भी हैं। अगर कोई व्यक्ति सोता हुआ दिख जाता है, तो उसे उसके बिगड़े हुए काम का कारण बताया जाता है। कुछ स्थितियों में यह सच भी हो सकता है।

मगर क्या हम हर वक्त नींद लेने को नकारात्मक ही मान कर कुछ गंवा तो नहीं रहे हैं? खासतौर पर ऐसे दौर में जब स्मार्टफोन में गुम रहने से लेकर कई बेमानी व्यस्तताओं की वजह से आंखों की नींद उड़ रही है, लोगों को नींद न आने की बीमारी जकड़ रही है। सवाल है कि क्या अच्छी नींद की कीमत रूपए पैसे, सोना चांदी या किसी अन्य बेशकीमती उपहार से आंकी जा सकती है? नहीं। नींद तो नींद होती है। इसकी भरपाई किसी दूसरी चीज से करना संभव नहीं। एक गरीब आदमी को नींद की जितनी जरूरत होती है, उतनी ही उन्हें भी, जिनके घरों में रुपए बोरियों में भरे हुए हैं। भोजन पानी की तरह नींद भी दुनिया में रहने वाले हर शख्स की जरूरत है। नवजात बच्चे जितना ज्यादा सोते हैं, उतनी ही तेजी से बढ़ते हैं। बच्चे ही क्यों, बड़ों को भी नींद की उतनी ही जरूरत होती है। अब सवाल यह उठता है कि हमें नींद की जरूरत पड़ती क्यों है।

सोना जितना दिमाग के लिए जरूरी होता है, उतना शरीर के लिए भी। आमतौर पर हमें लगता है कि जब हम सो जाते हैं, तो हमारा दिमाग भी थककर सो जाता होगा। मगर ऐसा नहीं है। सोते समय हमारा दिमाग जीने के लिए जरूरी कई क्रियाकलापों में लग जाता है। एक तरह से कह सकते हैं कि हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के काम में सीधे तौर पर जुट जाता है, जो हमारे जागते हुए दिमाग के लिए करना संभव नहीं होता है।

इसे इस उदाहरण से समझ सकते हैं। अगर हमने कभी रात को अपनी नींद खराब की होगी, यानी किसी वजह से हम रात को सो नहीं पाए होंगे, तो अगले दिन अजीब-सी थकान या तनाव का अहसास होता है। काम करने में भी दिमाग का भरपूर इस्तेमाल नहीं हो पाता।

इसकी वजह यह है कि नींद का हमारे दिमाग की कार्यक्षमता से संबंध होता है। नींद दिमाग के काम करने के तरीके पर असर डालती है। दिमाग को लचीलेपन यानी संकेतों के हिसाब से ढलने की क्षमता के लिए अच्छी नींद बहुत जरूरी है। अगर हम बहुत कम सोते हैं, तो दिन में सीखी हुई चीजों को अपने भीतर स्थिर नहीं कर पाते और भविष्य में उन्हें याद रखने में ज्यादा दिक्कत होती है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि नींद दिमाग की कोशिकाओं से बेकार चीजों को हटाने में मदद करती है। जब दिमाग क्रियाशील होता है, यानी हम जाग रहे होते हैं, तो यह काम उतनी कुशलता से नहीं हो पाता है, लेकिन सोने के बाद दिमाग पर से अतिरिक्त भार खत्म हो जाता है और वह खुद को व्यवस्थित करने की क्रिया में जुट जाता है।

दिमाग के अलावा नींद बाकी शरीर के लिए भी बहुत जरूरी है। जब लोगों को पर्याप्त नींद नहीं मिलती, तो तरह-तरह की बीमारियां पकड़ने के खतरे बढ़ जाते हैं। अवसाद, दौरे, उच्च रक्तचाप और सिरदर्द के लक्षण और बढ़ने लगते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे बीमारी और संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है।

नींद चयापचय में भी भूमिका निभाती है। यह जानकर हैरानी होगी कि एक रात की नींद छूटने से भी एक स्वस्थ व्यक्ति में मधुमेह-पूर्व की स्थिति बन सकती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि जब हम सोते हैं, तब हमारा दिमाग दो अलग-अलग तरह की नींद लेता है। आरइएम (रैपिड-आइ मूवमेंट) नींद और गैर-आरईएम नींद। नींद की प्रक्रिया का पहला हिस्सा नान-आरईएम नींद है, जिसके चार स्तर होते हैं। पहला स्तर जागने और सोने के बीच का होता है।

दूसरा हल्की नींद होती है, जब दिल की धड़कन और सांस लेने की गति नियमित हो जाती है और शरीर का तापमान कम हो जाता है। तीसरे और चौथे स्तर में गहरी नींद होती है। पहले यह माना जाता था कि आरईएम नींद सीखने और याददाश्त के लिए सबसे जरूरी नींद का चरण है, लेकिन नए आंकड़ों से पता चला है कि गैर-आरईएम नींद इन कामों के लिए ज्यादा जरूरी है। यह नींद शरीर को अधिक आराम पहुंचाने वाली होती है।

जैसे ही हम आरईएम नींद में जाते हैं, बंद पलकों के पीछे आंखें तेजी से हिलती हैं और दिमाग की तरंगें जागृत अवस्था जैसी ही होती हैं। सांस की दर बढ़ जाती है। सपने देखते वक्त हमारा शरीर कुछ समय के लिए सुन्न की अवस्था में पहुंच जाता है।

यह चक्र चलता रहता है, लेकिन हर चक्र के साथ हम नींद के गहरे स्तर तीन और चार में कम समय और आरईएम नींद में ज्यादा समय बिताते हैं। एक रात में हम चार या पांच बार इस चक्र से गुजरते हैं। नींद का विज्ञान कुछ भी कहे। लेकिन हमारा अनुभव यह कहता है कि अच्छी नींद हमारे स्वस्थ रहने की कुंजी है।

इसलिए कुछ भी हो जाए, नींद से समझौता नहीं होना चाहिए। नींद का चक्र अगर बाधित होता है, तो यह हमारी सेहत और व्यक्तित्व को बाधित कर दे सकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता : मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है। भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति, जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था, तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया, परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है, पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके, बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, उनकी पहुंच बढ़ेगी और 'मेक इन इंडिया' को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं, बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को 'निरंतर धैर्य का परिणाम' बताया, वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं, बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा, विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाज़ी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग, यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बढ़ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता, तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात, शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे, जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं, बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत, भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय, धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं, बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी, बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी, प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ, प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बढ़ रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा, और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं, बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि आर्थिक आंकड़ों, रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता, वह राष्ट्र की संप्रभुता, आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा, आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।

एसपी के निर्देश पर हिस्ट्रीशीटर राजेश सिंह पर मुकदमा दर्ज, पीड़िता अब भी परेशान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावां क्षेत्र के महजूदा गाँव की महिला की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर सुरियावां पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर राजेश सिंह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीड़िता पूर्णिमा सिंह पत्नी प्रताप सिंह, निवासी ग्राम महजूदा, थाना सुरियावां ने पुलिस को दी गई तहरीर में अवगत कराया था कि आरोपी राजेश सिंह पूर्व में अवैध शराब व गांजा तस्करी के मामलों में कई बार जेल जा चुका है तथा थाना सुरियावां का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है।

पीड़िता के अनुसार आरोपी पर पूर्व में गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई, जिला प्रशासन द्वारा जिला बदर की कार्रवाई हो चुकी है। साथ ही भदोही पुलिस द्वारा पूर्व में उसे दस हजार रुपये का इनामी अपराधी भी घोषित किया जा चुका है।

महिला का आरोप है कि लगभग दो महीने से आरोपी द्वारा लगातार उसके घर के सामने गोबर फेक कर अतिक्रमण करने के उद्देश्य से गंदगी की जा रही है, गाली-गलौज की जाती है तथा जान से मारने की धमकी दी जाती है। शिकायत के आधार पर थाना सुरियावां पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 351(3) व 352 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर जांच प्रारंभ कर दी है।

हालांकि मुकदमा दर्ज हो जाने के बावजूद आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है, जिससे पीड़िता व उसके परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से आरोपी के विरुद्ध कड़ी एवं प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।इस सम्बंध में पाली चौकी प्रभारी अजय ओझा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामलें की छानबीन की जा रही हैं।

डीएम ने कल से प्रारंभ होने वाले राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान एवं राष्ट्रीय कृमि दिवस को सफल बनाने की अपील

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने जनपदवासियों से अपील करते हुए बताया कि जनपद भदोही में 10 फरवरी 2026 से राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन अभियान एवं नेशनल डिवर्मिंग डे/राष्ट्रीय कृमि दिवस अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। यह अभियान शासन की महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य जनपद को फाइलेरिया एवं आंतों के कीड़े जैसी गंभीर बीमारियों से मुक्त करना है।

जिलाधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय फाइलेरिया अभियान के अंतर्गत जनपद के 02 विकासखंड–सुरियावां एवं आभोली में दिनांक 10 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान 01 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों को फाइलेरिया से बचाव हेतु तीन दवाएं आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर खिलाई जाएंगी। इस अभियान के माध्यम से जनपद की कुल 3, 37, 958

आबादी को आच्छादित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके साथ ही जिलाधिकारी ने बताया कि नेशनल डिवर्मिंग डे/राष्ट्रीय कृमि दिवस के अंतर्गत जनपद के 04 विकासखंडों में 10 फरवरी 2026 से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जनपद के 2743 प्राथमिक विद्यालयों, कॉलेजों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर 01 वर्ष से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। यह दवा मध्यान्ह भोजन (एमडीएम) अथवा भोजन करने के उपरांत भरे पेट दी जाएगी, जिससे बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने आम जनमानस, अभिभावकों एवं शिक्षकों से अपील की कि वे इस अभियान में पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा बच्चों को निर्धारित दवा अवश्य खिलवाएं, जिससे आंतों के कीड़े से होने वाली बीमारियों से बचाव हो सके। उन्होंने कहा कि स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ समाज की नींव होते हैं, अतः इस जनस्वास्थ्य अभियान को सफल बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जिलाधिकारी व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संतोष चक ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि अभियान का क्रियान्वयन समन्वय, सतर्कता एवं पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों को इसका लाभ मिल सके।

राजेश गुप्ता के निधन पर उमड़ा शोक हरिश्चंद्र घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के पूर्व सदस्य उमेश गुप्ता 'मुन्ना' के बड़े भाई राजेश गुप्ता का असामयिक निधन 4 फरवरी को वाराणसी स्थित गैलेक्सी अस्पताल में हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही मुन्ना के आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। 5 फरवरी को वाराणसी के हरिश्चंद्र घाट पर राजेश गुप्ता का अंतिम संस्कार पूरे विधि-विधान से किया गया, जहां कालीन उद्योग, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की बड़ी संख्या मौजूद रही। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में विधायक जाहिद बेग, चेयरमैन अतहर अंसारी, सीईपीसी के पूर्व चेयरमैन सिद्धनाथ सिंह, एआईसीएमए अध्यक्ष मो. रजा खान, पूर्व अध्यक्ष ओंकार नाथ मिश्रा, रवि पाटोदिया, सीईपीसी के पूर्व सदस्य ओंकार मिश्रा (बच्चा बाबू), राजेंद्र मिश्रा (बाबा), घनश्याम शुक्ला, सीईपीसी सदस्य अनिल सिंह, यादवेंद्र राय काका, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका आरिफ सिद्दीकी, रियाज अंसारी (बाबूभाई), कमरुद्दीन अंसारी, राजू बोथरा, सुजीत जायसवाल सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे।

इसके अतिरिक्त संजय गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका अशोक जायसवाल, मुजाहिद हुसैन, मकसूद अंसारी, फैयाज अंसारी, वकील कुरैशी, सादिक अंसारी, शाहिद अंसारी, अमित मौर्य, विकास यादव, पन्ना लाल यादव, रमेश यादव, काशी यादव, पंकज बरनवाल, इमाम बेग, अतीक खान, संदेश सुनेजा, सुरेश जायसवाल, सुभाष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कालीन निर्यातक, सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0' : पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन हेतु चलाया अभियान

सभी का उद्देश्य जनकल्याण व मानव समाज की सेवा करना

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु चलाये जा रहे 'मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0' के अंतर्गत अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन मे दिनांक-08.02.2026 को जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांवों/कस्बों/स्कूलों/कॉलेजों/मंदिरों में भ्रमण कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरूक करने के साथ ही चौपाल का आयोजन कर महिलाओं एवं बालिकाओं को कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा व बचाव संबंधी जानकारी दी गई और शासन द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर, जैसे-1090, 112, 1076, 1098, 108 की विस्तृत जानकारी देते हुए संकट के समय इनके प्रयोग हेतु बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में अवगत कराते हुए इससे बचने और सतर्क रहने हेतु 1930 हेल्प लाइन नंबर का उपयोग करने के संबंध में जानकारी दी गई। सरकार द्वारा महिलाओं से सम्बन्धित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित उन्हें जागरूक किया गया।

भैंस चोरी का खुलासा, चोर गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना ज्ञानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कलियापुर से चोरी हुई भैंस के मामले में ज्ञानपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की भैंस बरामद कर ली है।

ग्राम कलियापुर पीपरगांव निवासी दिवाकर पुत्र शोभनाथ गौतम की तहरीर पर दर्ज मुकदमा मु0अ0सं0 30/26 धारा 303(2) बीएनएस के अनावरण में, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में 07 फरवरी 2026 को कार्रवाई की गई।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सुकुरु नट पुत्र मेवा नट निवासी पुरेउचितपुर बेजवां, थाना औराई को उसके घर से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से एक अदद भैंस बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना स्वीकार की, जिसके बाद मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रामधनी यादव, हेड कांस्टेबल निरंजन मौर्य एवं कांस्टेबल मारुतिनंदन दुबे शामिल रहे।

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भदोही।थाना दुर्गागंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हरदुआ में पुरानी रंजिश को लेकर जान से मारने की धमकी देते हुए लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल करने के मामले में दुर्गागंज पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ग्राम हरदुआ निवासी अर्जुन पुत्र बबऊ की तहरीर पर दर्ज मुकदमा में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने राजकुमार पुत्र लालता प्रसाद (48 वर्ष) एवं बेचू पुत्र चौथी (51 वर्ष) निवासी हरदुआ को बरबसपुर तिराहे से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

नगर पंचायत अध्यक्ष विनय चौरसिया ने 69 लाख की लागत से बनने वाली सी सी रोड का किया शिलान्यास

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां रविवार को नगर पंचायत अध्यक्ष विनय चौरसिया द्वारा नगर के वादे के अनुसार विकास कार्यों की कड़ी में एक और कार्य करके जनता के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास किया इसी क्रम में उन्होंने बघेल कटरा त्रिमुहानी से बाईपास अटल चौराहा तक 69 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सड़क 650 मीटर लंबी और अठारह फीट चौड़ी सी सी रोड का शिलान्यास किया उन्होंने बताया कि नगर विकास मंत्री एक शर्मा मुख्यमंत्री योगी से मिलकर पत्र के दिया गया था पत्रक को मुख्यमंत्री ने सज्ञान में लिया इस बीच सांसद डॉक्टर विनोद बिंद ने भी अपने सड़क की मांग को संज्ञान में लेते हुए शासन को पत्र लिखा पी डब्लू डी द्वारा प्रस्ताव भेजा गया और मंजूरी मिलने के बाद कार्य को शुरू करा दिया गया है जिसके लिए हम सुरियावा की जनता के तरफ से धन्यवाद देते हैं और लगातार नगर के विकास के लिए प्रयत्नशील रहेंगे हमारा प्रयास है कि नगर सूरियावा का चहुमुखी विकास हो नगर के विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दिया जाएगा इस मौके पर रमाकांत जायसवाल अवधेश उमर मदन जयसवाल विक्की सिंह बघेल चंद्रेश यादव प्रधान गणेश जायसवाल अशोक जालान जयशंकर बुद्धू हवाई नंदलाल उम्र गुड्डू उम्र जलालुद्दीन पंजाबी मोदनवाल एवं नगर के गणमान्य लोग काफी संख्या में मौजूद रहे।

युवाओं ने सिस्टम के जिम्मेदारों को दिखाया आईना

सेमराधनाथ मंदिर परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

छोटी कोशिश बड़ा बदलाव के तहत युवा कर रहे कार्य

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सरकार जहां स्वच्छता मिशन को लेकर स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतो को लाखों की रकम देकर साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की निर्देश देती है लेकिन स्थानीय जिम्मेदारों की लापरवाही, मिलीभगत और खाना पूर्ति से सभी साफ सफाई केवल कागजो तक ही सीमित है और स्वच्छता मिशन की खुलेआम धज्जियां उड़ रही है। लेकिन इसी बीच कुछ ऐसे युवा समाजसेवी है जिन्होंने अपने कार्यों से सिस्टम को आईना दिखा रहे है। ऐसा ही नजारा बीते 25 जनवरी से कई रविवार से जनपद के बिहरोजपुर, ज्ञानानन्द समेत कई गंगा घाटों और शिवालयों पर देखा जा रहा है जहां क्षेत्र के युवाओं की टीम छोटी कोशिश बड़ा बदलाव के माध्यम से साफ सफाई और स्वच्छता का बीड़ा उठाया है, इसमें अधिकतर युवा निजी विद्यालय के अध्यापक है। जिसमें और भी युवा

इसमें शामिल होकर स्वच्छता की अनूठी मिशाल पेश कर रहे है। युवाओं की टीम रविवार को सेमराध नाथ मंदिर परिसर की साफ सफाई की, जहां परिसर में लगे हैंड पंप के आसपास गन्दगी का अम्बार था उसे साफ किया गया। मंदिर के पास बने नाला के ढक्कन की ठीक करते हुए साफ सफाई की गई और परिसर में जहां भी गन्दगी थी उसे साफ किया गया। युवाओं की इस लगन को देखकर लोगो ने खूब सराहना की। सेमराध नाथ परिसर की साफ सफाई करने वालों मे चंद्रशेखर विश्वकर्मा, अंकित पाण्डेय, लवकेश सिंह, अंशु मिश्रा और सुमित मिश्रा समेत कई दर्जन युवा शामिल थे।

हत्या का खुलासा, 24 घंटे में चार अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस ने हत्या का किया खुलासा

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बनुहिया बुजुर्ग में हुई युवक मनोज कुमार की निर्मम हत्या का पुलिस ने मात्र 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। इस सनसनीखेज वारदात में प्रयुक्त आला-ए-कत्ल कुल्हाड़ी व चेन रॉड के साथ घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र में व्याप्त आक्रोश के बीच राहत की सांस ली गई है। घटना 07 फरवरी 2026 की सुबह की है, जब ग्राम बनुहिया बुजुर्ग के दक्षिण बाग में मनोज कुमार पुत्र स्व. दयाराम का खून से लथपथ शव मिला था। सूचना मिलते ही उच्चाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक की पत्नी सुमित्रा देवी की तहरीर पर थाना खेसरहा पुलिस ने सुसंगत धाराओं व एससी, एसटी एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया गया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष खेसरहा अनूप कुमार मिश्र व सर्विलांस टीम की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने वैज्ञानिक एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर त्वरित पतारसी-सुरागरसी करते हुए नामजद अभियुक्तों को उप निरीक्षक हरेन्द्र चौहान प्रभारी सर्विलांस सेल, उप निरीक्षक राघवेन्द्र प्रताप यादव, उप निरीक्षक रवि प्रताप सिंह सेंगर, हेड कांस्टेबल राहुल सिंह, हेड कांस्टेबल राम किशुन, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र कुमार, कांस्टेबल अजीत कुमार,

कांस्टेबल अनिल कुमार, महिला कांस्टेबल संगीता देवी की टीम ने गिरफ्तार किया।

पुलिस ने अभियुक्त अनिल यादव व चैतू यादव को कस्बा मरवटिया नहर पुल के पास से, जबकि सुजीत यादव व कलावती को बासी-बेलौहा मार्ग स्थित चूटी पुल के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभियुक्तों ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि करीब 20-22 दिन पूर्व ई-रिक्शा से हुई कहासुनी को लेकर रंजिश चल रही थी। इसी रंजिश में साजिश रचकर मनोज कुमार पर जानलेवा हमला किया गया, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, चेन रॉड तथा एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया है।

हत्या के प्रयास के दो दस- दस हजार के इनामिया आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत थाना मोहाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे ?10-10 हजार के इनामिया दो अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद के निर्देशन एवं सहायक पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मोहाना जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने थाना मोहाना पर पंजीकृत मुक़दमे में वांछित अभियुक्तों को झंगटी मोड़ के पास से उप निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह चौकी प्रभारी ककरहवा, हेड कांस्टेबल उमेश कुमार, कॉस्टेबल पिन्टू सरोज ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान चाटू उर्फ राजेन्द्र पुत्र नरेश लोध एवं रामकरन पुत्र डिप्टी, निवासी भुजौली टोला लिलाडिहवा, थाना मोहाना के रूप में हुई है। दोनों अभियुक्त हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में वांछित थे और लगातार फरार चल रहे थे।

पुलिस के अनुसार, क्रिकेट खेलने के दौरान हुए विवाद और पुरानी रंजिश को लेकर अभियुक्तों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वादिनी एवं उसके परिवार के लोगों पर जान से मारने की नीयत से हमला किया था। इस दौरान गाली-गलौज, मारपीट के साथ-साथ घर पर खड़ी मोटरसाइकिल व ट्रैक्टर को भी क्षतिग्रस्त किया गया था।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अभियुक्त रामकरन के खिलाफ पूर्व में भी थाना मोहाना में आपराधिक मामला दर्ज है। दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही के बाद न्यायालय भेज दिया गया है।

कठेला समय माता पुलिस ने मिशन शक्ति केन्द्र द्वारा पति-पत्नी के विवाद को सुलझाया

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन क्रम मे एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के निर्देशन में अभय सिंह थानाध्यक्ष के नेतृत्व में आवेदिका श्रीमती कैसर जहां पत्नी तौफिक चौधरी ग्राम कठेला जनूबी टोला बन्नूडीह थाना कठेला समय माता उप निरीक्षक नागेन्द्र प्रसाद यादव, हेड कांस्टेबल कमलेश यादव, कॉस्टेबल शुभम सिंह, महिला कांस्टेबल करिश्मा द्वारा शिकायत किया गया था कि आवेदिका श्रीमती कैसर जहां व उनके पति तौफीक चौधरी के बीच कुछ कहा-सुनी हुआ था जिससे पति पत्नी के मध्य मनमुटाव हो गया था उभय पक्षों की मिशन शक्ति टीम द्वारा काउंसलिंग की गई दोनो पक्षो (पति-पत्नी) को उनके आपसी रिश्तों के प्रति उनके दायित्वों व पारिवारिक कर्तव्यों के बारे में अवगत कराया गया जिससे दोनो पक्ष (पति-पत्नी) राजी-खुशी से साथ रहने के लिये तैयार हुए । अब दोनों पक्षों के मध्य कोई विवाद नही है । दोनो पति-पत्नी को सकुशल एक साथ राजी-खुशी घर भेज दिया गया । उक्त पुलिस कार्यवाही की आम जनमानस द्वारा सरहाना की गयी ।

शिवपति इण्टर कालेज में एनसीसी 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा संपन्न, 583 कैडेट्स हुए शामिल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शिवपति इंटर कॉलेज, शोहरतगढ़ में रविवार को एनसीसी 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 46वीं यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के तत्वावधान में आयोजित इस परीक्षा में कुल 600 पंजीकृत कैडेटों में से 583 कैडेट्स उपस्थित रहे, जबकि 17 कैडेट्स अनुपस्थित पाए गए।सीओ वेदपाल पटियाल ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा के दौरान कैडेटों की लिखित परीक्षा के साथ-साथ फिजिकल टेस्ट भी शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया। परीक्षा में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इन विद्यालयों में शिवपति इंटर कॉलेज शोहरतगढ़, सेठ रामकुमार खेतान बालिका इंटर कॉलेज शोहरतगढ़, पं. बाबूराम शुक्ल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तुलसियापुर, गांधी आदर्श विद्यालय इंटर कॉलेज बढ़नी, लाल बहादुर शास्त्री उमा विद्यालय, फातिमा इंटर कॉलेज, जय किसान इंटर कॉलेज सकतपुर तथा दुर्गा जी चौधरी पटनेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज पटनी जंगल शामिल रहे।

परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर अनुशासन और व्यवस्था सराहनीय रही। एनसीसी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वय से परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई।इस अवसर पर सीओ वेदपाल पटियाल, मेजर हेमन्त उपाध्याय, प्रथम अधिकारी बृजेन्द्र मणि त्रिपाठी, द्वितीय अधिकारी पंकज यादव, शम्भू नाथ गुप्ता, पंकज चौधरी, तृतीय अधिकारी अपर्णा पाण्डेय, रोहित यादव, वरिष्ठ सहायक दिनेश जायसवाल, एएनओ धनंजय पाठक, सतीश सिंह और अम्बिकेश दत्त शुक्ल सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

पीड़ित परिवार से मिले सपा नेता न्याय दिलाने का दिलाया भरोसा

सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा थाना क्षेत्र के बनोहिया बुजुर्ग गांव निवासी मनोज कुमार गौतम की शनिवार की सुबह गांव के ही कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश में लोहे की राड से पीट कर हत्या कर दी थी। जिसके बाद से पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है।

घटना की जानकारी लगते ही समाजवादी पार्टी के प्रदेश सदस्य कमाल अहमद खान रविवार को पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से मिलकर घटना की पूरी जानकारी ली और हर संभव मदद व न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।सपा नेता ने कहा कि पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और किसी भी हालत में उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सपा नेता ने पीड़ित परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि घटना बेहद दुःखद और निंदनीय है, इसलिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके लिए वे प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से बात कर मामले की निष्पक्ष जांच कराएंगे। साथ ही पीड़ित परिवार को मिलने वाली सरकारी सहायता और मुआवजे की मांग किया। साथ ही उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस मौके पर पार्टी के कई कार्यकर्ता उनके साथ मौजूद रहे।

बच्चों का बदलता व्यवहार दे रहा है खतरे का संकेत? ऑनलाइन गेमिंग हो सकती है बड़ी वजह, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गाजियाबाद से सामने आई एक बेहद दर्दनाक घटना ने पूरे देश को सोचने पर मजबूर कर दिया है। साहिबाबाद इलाके की एक हाईराइज सोसाइटी में रहने वाली तीन नाबालिग सगी बहनों ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जांच में सामने आया है कि तीनों बहनें एक टास्क आधारित ऑनलाइन कोरियन लव गेम से जुड़ी हुई थीं। यह मामला सिर्फ एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि डिजिटल युग में बच्चों की मानसिक सुरक्षा को लेकर एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, भारत सिटी सोसाइटी में रहने वाली तीन बहनों की उम्र करीब 12, 14 और 16 साल थी। बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से मोबाइल और ऑनलाइन गेमिंग में पूरी तरह डूबी हुई थीं। धीरे-धीरे उनका संपर्क बाहरी दुनिया से कम होता चला गया। न वे नियमित रूप से स्कूल जाती थीं और न ही दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलना-जुलना रखती थीं। परिवार वालों का कहना है कि तीनों बहनों ने अपने नाम तक बदलकर कोरियन नाम रख लिए थे और कोरियन संस्कृति को फॉलो करने लगी थीं।

परिजनों के अनुसार, पिता ने जब बच्चों की बढ़ती मोबाइल गेमिंग की आदत पर आपत्ति जताई और उनके फोन छीन लिए, तो तीनों बहनें गहरे मानसिक तनाव में चली गईं। इसी मानसिक दबाव के बीच यह दुखद कदम उठाया गया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें बच्चों ने अपने माता-पिता से माफी मांगते हुए लिखा कि वे यह गेम छोड़ नहीं पा रही थीं। इस नोट ने पूरे मामले को और भी संवेदनशील बना दिया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कोरियन लव गेम किसी सामान्य गेम की तरह नहीं होता। इसमें सोशल

मीडिया के जरिए कोई अनजान व्यक्ति बच्चों या किशोरों से संपर्क करता है और खुद को कोरियन बताकर दोस्ती या प्यार की बातें शुरू करता है। धीरे-धीरे भरोसा जीतने के बाद यूजर को छोटे-छोटे टास्क दिए जाते हैं। शुरुआत में ये टास्क आसान होते हैं, लेकिन समय के साथ इन्हें मानसिक रूप से दबाव बनाने वाला और डर पैदा करने वाला बना दिया जाता है। अगर यूजर टास्क पूरा करने से मना करता है, तो उसे डराया-धमकाया जाता है। इस तरह के गेम कई दिनों तक चलते हैं और यूजर को पूरी तरह अपने जाल में फंसा लेते हैं।

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों और किशोरों का दिमाग अभी पूरी तरह विकसित नहीं होता। ऐसे में वे गेम और वर्चुअल दुनिया को ही असली दुनिया समझने लगते हैं। टास्क पूरे करने का दबाव, डर और हार का भय उनके सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर देता है। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक जीन एम. ट्वेंग की किताब ग्उाह में भी बताया गया है कि 2011 के बाद से ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया की लत के कारण युवाओं में डिप्रेशन और आत्महत्या के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर बच्चा हर समय मोबाइल या गेम के बारे में ही सोचता रहे, गेम रोकने पर गुस्सा या चिड़चिड़ापन दिखाए, परिवार और दोस्तों से दूरी बनाने लगे, नींद और दिनचर्या बिगड़ जाए या पढ़ाई में रुचि खत्म हो जाए, तो ये खतरे के संकेत हो सकते हैं। लगातार उदासी, डर या खालीपन महसूस करना भी गंभीर चेतावनी मानी जाती है। अगर ऐसे कई लक्षण एक साथ लंबे समय तक नजर आएं, तो तुरंत सतर्क होने की जरूरत है।

एक्सपट्र्स का मानना है कि बच्चों को मोबाइल देना पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन उस पर निगरानी बेहद जरूरी है। माता-पिता को बच्चों से खुलकर बातचीत करनी चाहिए और उनके ऑनलाइन व्यवहार को समझने की कोशिश करनी चाहिए। स्क्रीन टाइम पर नजर रखना और स्मार्टफोन में पेरेंटल कंट्रोल का इस्तेमाल करना भी जरूरी है। पेरेंटल कंट्रोल के जरिए बच्चों के गेम, ऐप्स और ऑनलाइन कंटेंट को सीमित किया जा सकता है, ताकि वे खतरनाक गेम्स और मानसिक दबाव पैदा करने वाले चैलेंज से दूर रह सकें।

दरोगा के होटल में देह व्यापार रैकेट; शादीशुदा महिलाएं करती थी जिस्मफरोशी का गंदा काम

आपत्तिजनक में पकडे गए 7 लोग, ग्राहक देखकर होती थी वसूली

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र में बड़ा बाइपास पर स्थित 'अपना ढाबा' में देह व्यापार का मामला सामने आया है। सीओ हाईवे ने पुलिस टीम के साथ छापा मारकर इस अवैध धंधे का खुलासा किया। मौके से ढाबा मैनेजर समेत चार युवक और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। ढाबा संचालक फरार हो गया।

जानकारी के मुताबिक, सीओ हाईवे शिवम आशुतोष को काफी दिनों से ढाबे में गलत काम होने की सूचना मिल रही थी। शुक्रवार रात उन्होंने इंस्पेक्टर भोजीपुरा राजीव कुमार सिंह और पुलिस टीम के साथ ढाबे पर छापा मारा। पुलिस ने ढाबे के कमरों की तलाशी ली, जहां तीन महिलाएं और तीन युवक आपत्तिजनक हालत में मिले। सभी को पकड़कर थाने लाया गया।

पुलिस ने मौके से ढाबा मैनेजर कुंवरपाल यादव को भी गिरफ्तार किया है, जो रामपुर जिले के शहजादनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। बताया गया कि यह ढाबा एक दरोगा का है, जिसे गजेंद्र सिंह ने किराये पर ले रखा था। छापे के दौरान गजेंद्र सिंह फरार हो गया। पुलिस को ढाबे से एक स्कूटी, एक मोटरसाइकिल, सात मोबाइल फोन, 2200 रुपये नकद और कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिला है। सीओ हाईवे की ओर से सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया गया है। पूछताछ में तीनों महिलाओं ने बताया कि उन्हें कुंवरपाल और गजेंद्र बुलाते थे। ग्राहक से 500 से 2000 रुपये तक लिए जाते थे। जो ग्राहक कुंवरपाल के जरिए आते थे, उनमें से वह अपना कमीशन काट लेता था।

चाइनीज मांझा के उपयोग से हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए किया चेकिंग

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के पर्यवेक्षण में नवीन सिंह प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़ द्वारा प्रदेश में चाइनीज मांझा के उपयोग से हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए थाना शोहरतगगढ़ पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है । इस अभियान के तहत थाना क्षेत्र में स्थित पतंग एवं जनरल स्टोर्स की दुकानों की सघन चेकिंग की जा रही है। चेकिंग के दौरान दुकानदारों को स्पष्ट रूप से हिदायत दी जा रही है कि वे अपनी दुकानों पर प्रतिबंधित चाइनीज मांझा न रखें और न ही उसकी बिक्री करें। पुलिस द्वारा दुकानदारों को चाइनीज मांझा से होने वाली जानलेवा दुर्घटनाओं के बारे में जागरूक किया गया तथा यह भी अवगत कराया गया कि प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझा रखने अथवा बेचने पर संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। थाना शोहरतगढ़ पुलिस आमजन से अपील करती है कि वे चाइनीज मांझा का प्रयोग न करें ।

200 से ज्यादा प्रेमी जोड़ों के आपत्तिजनक वीडियो रेस्टोरेंट के केबिन में आते थे कपल कर्मचारी बना लेता था निजी पल का वीडियो

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बिजनौर के सेंटर प्वाइंट रेस्टोरेंट में आने वाले प्रेमी जोड़ों को क्या पता था कि उनकी निजी पलों पर किसी की नजर लगी हुई है। रेस्टोरेंट में कपल्स को प्राइवेसी देने के नाम पर केबिन दिए जाते थे, लेकिन पर्दे के पीछे एक गंभीर अपराध चल रहा था।

जानकारी के मुताबिक, रेस्टोरेंट के अंदर सीढ़ियों के पास एक छोटा कमरा बनाया गया था। इसमें सोफा रखकर इसे प्राइवेट केबिन जैसा बनाया गया था। आरोप है कि रेस्टोरेंट का एक कर्मचारी, सतेंद्र, इसी केबिन के बाहर लगे बैनर में छोटा सा छेद करके मोबाइल से कपल्स की निजी हरकतों की वीडियो रिकॉर्ड करता था। यह काम काफी समय से चल रहा था, लेकिन 4 फरवरी को इसका खुलासा हो गया। उस दिन केबिन में मौजूद एक कपल को कर्मचारी की हरकतों पर शक हुआ। उन्होंने तुरंत अपने एक दोस्त को बुलाया और कर्मचारी का मोबाइल चेक किया। मोबाइल में 200 से ज्यादा अलग-अलग जोड़ों के आपत्तिजनक वीडियो मिले। हंगामा बढ़ता देख आरोपी कर्मचारी मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही सिविल लाइन चौकी प्रभारी कुलबीर सिंह और सीओ सिटी संग्राम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने रेस्टोरेंट को बंद करवा दिया और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर जब्त कर ली है। इस रेस्टोरेंट को एक महिला वकील संचालित करती हैं। उन्होंने कहा कि वह दिनभर कोर्ट में रहती हैं और उन्हें कर्मचारियों की इन गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं थी। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

बीजेपी नेता ने महिला को लाठी-लात-घूंसों से पीटा बाल पकड़कर जमीन पर पटका, वीडियो आया सामने

सीधी **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के सीधी जिले से महिला के साथ बर्बरता का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने कानून-व्यवस्था और राजनीतिक आचरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सिहावल विधानसभा के बहरी गांव में एक बीजेपी नेता द्वारा महिला की सरेआम पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में भाजपा नेता संतोष पाठक महिला को बेरहमी से पीटते हुए नजर आ रहा है। आरोपी नेता कभी महिला पर लाठी बरसाता दिखता है, तो कभी बाल पकड़कर उसे जमीन पर पटक देता है। इसके बाद भी वह महिला को लात-घूंसे मारता रहा। महिला खुद को छुड़ाने की लगातार कोशिश करती रही, लेकिन आरोपी का हमला नहीं रुका। घटना के दौरान आसपास कई लोग मौजूद थे, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि किसी ने भी महिला को बचाने की कोशिश नहीं की। पूरी वारदात का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह घटना सीधी जिले की सिहावल विधानसभा के बहरी क्षेत्र की है। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेता की इस बर्बरता को लेकर राजनीतिक हलकों में भी हड़कंप मच गया है। मामले में पुलिस की कार्रवाई और प्रशासनिक प्रतिक्रिया को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

मुस्लिम टोपी वालों पर 'फायरिंग' हिमंत बिस्वा सरमा के वीडियो पर विवाद, मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। बीजेपी असम द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो ने देशभर में एक बड़ा राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा कर दिया है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को एक एयर राइफल से उन लोगों पर निशाना साधते और गोली चलाते हुए दिखाया गया है जिन्होंने मुस्लिम टोपी पहनी हुई थी। हालांकि भारी विरोध के बाद इस वीडियो को डिलीट कर दिया गया है, लेकिन इसे लेकर गुस्सा अभी कम नहीं हुआ है।

बीजेपी असम के आधिकारिक एक्स हैंडल से शेयर किए गए इस वीडियो में कुछ आपत्तिजनक बातें दिखाई गई थीं। वीडियो में, मुख्यमंत्री को मुस्लिम समुदाय के लोगों की तरह दिखने वाले किरदारों पर गोली चलाते दिखाया गया। वीडियो के ऊपर 'विदेशी मुक्त असम', 'कोई दया नहीं' और 'तुम पाकिस्तान क्यों नहीं गए' जैसे नारे लिखे हुए थे। इसे 'पॉइंट ब्लैंक शॉट' कैप्शन के साथ शेयर किया गया था।

वीडियो के सामने आते ही विपक्षी नेताओं ने इसे 'नफरत फैलाने वाला' करार दिया। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने इसे हिंसा को बढ़ावा देने वाला बताया और प्रधानमंत्री मोदी से जवाब मांगा। वहीं टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने इस विज्ञापन को बनाने वालों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह वीडियो एक खास समुदाय के खिलाफ हिंसा को सामान्य बनाने की कोशिश है। उन्होंने इसके खिलाफ पुलिस और अदालतों का दरवाजा खटखटाया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया है कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा इस तरह का व्यवहार सांप्रदायिक नफरत फैलाने वाला है।

यह विवाद मुख्यमंत्री सरमा के उन बयानों के बीच आया है जिनमें उन्होंने बार-बार बंगाली भाषी मुसलमानों को निशाना बनाया है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि वह मिया समुदाय को परेशान करेंगे। आलोचकों का तर्क है कि इस तरह के वीडियो और बयान उन भारतीय नागरिकों के खिलाफ डर का माहौल पैदा करते हैं जो दशकों से असम में रह रहे हैं, लेकिन उन्हें अक्सर 'विदेशी' कहकर अपमानित किया जाता है। विवाद बढ़ता देख बीजेपी असम ने वीडियो तो हटा लिया है, लेकिन यह तब तक लाखों बार देखा जा चुका था। एक्स पर इसे 2.7 लाख से ज्यादा व्यूज मिले।

बाबा महाकाल की शरण में जैकलिन फर्नांडीस नंदी हॉल में बैठकर किए दर्शन श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

उज्जैन **(एजेंसी)**। मशहूर फिल्म अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस ने आज भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दोपहर के समय वह उज्जैन स्थित विश्वप्रसिद्ध महाकाल मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने विधि-विधान से बाबा महाकाल के दर्शन किए।

दर्शन के पश्चात जैकलिन फर्नांडीस मंदिर परिसर स्थित नंदी हॉल में कुछ समय तक बैठकर भगवान महाकाल का ध्यान करती नजर आईं। इस दौरान उनके साथ उनकी टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। मंदिर में अभिनेत्री की सादगी और श्रद्धा को देखकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

जैसे ही मंदिर में जैकलिन फर्नांडीस की मौजूदगी की जानकारी श्रद्धालुओं को मिली, मंदिर परिसर में हलचल तेज हो गई। हालांकि मंदिर प्रशासन और पुलिस द्वारा पहले से की गई कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते दर्शन प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराई गई। मंदिर प्रशासन की निगरानी में अभिनेत्री को विशेष मार्ग से दर्शन कराए गए, जिससे अन्य श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जैकलिन के दर्शन को लेकर मंदिर परिसर में पूरे समय सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे।

मुख्यमंत्री स्टालिन का प्रधानमंत्री को पत्र, कहा- तमिलनाडु के रेलवे परियोजनाओं के लिए फंड तुरंत जारी हो

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर रेल मंत्रालय को राज्य में स्वीकृत रेलवे परियोजनाओं के लिए आवश्यक धनराशि शीघ्र जारी करने और लंबित परियोजनाओं को पुनः शुरू करने का निर्देश देने का आग्रह किया है। स्टालिन ने पत्र में कहा, "रेल मंत्रालय से धनराशि जारी करने में हो रही देरी" और विभिन्न परियोजनाओं के लिए टुकड़ों में निधि आवंटित किए जाने की व्यवस्था के कारण कई महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं की प्रगति प्रभावित हो रही है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न रेलवे परियोजनाओं के लिए 2, 500.61 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण करने की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है, लेकिन रेलवे विभाग ने अब तक 931.52 हेक्टेयर भूमि के लिए धनराशि आवंटित नहीं की है। स्टालिन ने कहा, "निधि जारी करने में देरी और टुकड़ों में आवंटन ने तमिलनाडु में रेलवे परियोजनाओं की प्रगति में बाधा डाली है।

इससे प्रभावित भूमि मालिकों के लिए लंबे समय तक अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है।" उन्होंने बताया कि 19 प्रमुख परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य 94 प्रतिशत पूरा हो चुका है और 1, 198.02 हेक्टेयर भूमि रेलवे को सौंप दी गई है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से 'तिरुवनंतपुरम-कन्याकुमारी दोहरीकरण' परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि रेलवे द्वारा मुआवजे के लिए आवश्यक 289.78 करोड़ रुपये जारी न किए जाने के कारण 16.86 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण अब भी रुका हुआ है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि स्वीकृत परियोजनाओं के लिए "संपूर्ण धनराशि और इसे प्राथमिकता के आधार पर" जारी किया जाए, ताकि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके।

उन्होंने तूत्तिकोरिन-मदुरै और तिण्डिवनम-तिरुवण्णायलै रेल लाइन सहित वर्तमान में लंबित प्रमुख परियोजनाओं पर पुनर्विचार कर उन्हें फिर से शुरू करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने सभी रेलवे परियोजनाओं के "शीघ्र क्रियान्वयन" के लिए राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया।

दिल्ली में बड़ा हादसाः बाथरूम में गीजर ब्लास्ट से भीषण आग, 1 व्यक्ति की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली में एक इलेक्ट्रिक गीजर में विस्फोट के कारण घर में आग लगने से 50 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसकी पत्नी घायल हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह घटना शनिवार शाम पांच बजे हजरत निजामुद्दीन इलाके में हुई। इसने बताया कि पुलिस को एक घर में भीषण आग लगने की सूचना मिली और एक टीम तुरंत मौके पर भेजी गई। पुलिस को घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला और वह दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, "बचाव अभियान के दौरान बाथरूम में मकान मालिक मोहम्मद सैयद निजामी और उनकी पत्नी फिदा निज़ामी (45) धुएं के कारण अचेत अवस्था में मिले।" परिवार के बाकी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारी ने बताया कि दोनों को तुरंत मूलचंद अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने निजामी को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनकी पत्नी को होश आ गया और उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

मातम में बदलीं खुशियाँ! शादी के कार्ड बांट रहे परिवार को तेज रफ्तार ऑडी ने रौंदा, पिता-पुत्र समेत 3 की मौत

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। शनिवार दोपहर रीवा-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार ऑडी कार ने एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हृदयविदारक बात यह है कि मृतक अपने घर की शादी के निमंत्रण पत्र (कार्ड) बांटने निकले थे।

हादसा दोपहर करीब 3 बजे रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के कोस्टा जिउला मोड़ के पास हुआ। गढ़ा-कटरा के घूमा गांव निवासी 55 वर्षीय भागवत विश्वकर्मा, उनका बेटा शिवम विश्वकर्मा और उनकी रिश्तेदार शीतल विश्वकर्मा के रूप में हुई है। शिवम की शादी 24 फरवरी को होनी तय थी। पूरा परिवार खुशियों में डूबा था और तीनों सदस्य हनुमना से रीवा की ओर रिश्तेदारों को शादी का कार्ड देने जा रहे थे। पीड़ित, जिसमें एक पिता, उनका बेटा और एक महिला रिश्तेदार शामिल थे, मोटरसाइकिल पर शादी के कार्ड बांट रहे थे, तभी उनकी गाड़ी की टक्कर एक महंगी कार से हो गई।

यह हादसा दोपहर करीब 3 बजे कोस्टा जिउला मोड़ के पास हुआ, जो रीवा से लगभग 20 किलोमीटर दूर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 55 साल के भागवत विश्वकर्मा, उनके बेटे शिवम विश्वकर्मा और उनकी महिला रिश्तेदार शीतल विश्वकर्मा हनुमाना से रीवा की ओर जा रहे थे ताकि शिवम की आने वाली शादी के लिए शादी के कार्ड बांट सकें।

चश्मदीदों ने बताया कि रीवा से आ रही एक तेज रफ्तार काली ऑडी कार ने मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और मोटरसाइकिल सवारों की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि टक्कर के बाद ऑडी कार रोड डिवाइडर से टकरा गई और उसमें सवार लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस फिलहाल उनकी तलाश कर रही है।मृतक गढ़-कटरा के घूमा गांव के रहने वाले थे। परिवार शिवम की शादी के लिए रिश्तेदारों के घरों में शादी के कार्ड बांटने जा रहा था, जो 24 फरवरी को होनी थी।

भारत-पाकिस्तान मैच पर नई जानकारी आई सामने, सूत्र ने बताया कितने प्रतिशत है संभावना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मुकाबला 15 फरवरी को होने की लगभग पक्की संभावना है जिसके लिए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए बैठकें चल रही हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्रों ने आईएएनएस को चल रही बैठक के बारे में पुष्टि की और मैच कोलंबो में होने की बहुत अधिक संभावना है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने ईंए को बताया, 'बैठकें चल रही हैं, और 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान मैच होने की 99इ संभावना है।'

इससे पहले पीसीबी ने कहा था कि वे 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले अपने निर्धारित पुरुष टी20 वर्ल्ड कप मैच में भारत के खिलाफ नहीं खेलेंगे क्योंकि उनकी सरकार ने बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाते हुए भारत के खिलाफ मैच न खेलने की शर्त पर 'मेन इन ग्रीन' की वर्ल्ड कप में भागीदारी को मंजूरी दी थी। पाकिस्तान की घोषणा के जवाब में आईसीसी ने एक कड़ा बयान जारी किया, जिसमें पीसीबी से आपसी सहमति से समाधान खोजने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि चुनिंदा भागीदारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा के सिद्धांतों को कमजोर करती है।

आईसीसी ने कहा, 'हालांकि आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक संचार का इंतजार कर रहा है, लेकिन चुनिंदा भागीदारी की यह स्थिति एक वैश्विक खेल आयोजन के मूल आधार से मेल खाना मुश्किल है, जहां सभी योग्य टीमों से इवेंट शेड्यूल के अनुसार समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद की जाती है।' इसमें आगे कहा गया, ' आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी अपने देश में क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करेगा क्योंकि इससे वैश्विक क्रिकेट इकोसिस्टम पर असर पड़ने की संभावना है, जिसका वह खुद एक सदस्य और लाभार्थी है।'

पाकिस्तान ने अपने टी20 वर्ल्ड कप 2026 अभियान की शुरुआत तनावपूर्ण तरीके से की, क्योंकि उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से 3 विकेट से जीत हासिल की और टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में यहां सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में जीत दर्ज की। भारत के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शानदार नाबाद 84 रन बनाए और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने आखिरी मिनट में रिप्लेसमेंट के तौर पर आकर 3-29 विकेट लिए जिससे भारत ने यूएसए पर 29 रन की सम्मानजनक जीत हासिल करके खुद को शर्मिंदगी से बचाया। पाकिस्तान ग्रुप ए में भारत, नामीबिया, नीदरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के साथ है। पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में होने हैं जो भारत के साथ मिलकर टूर्नामेंट की सह-मेजबानी कर रहा है।

ग्लेन फिलिप्स ने रचा इतिहास, मैकुलम को पछाड़कर बने तीसरे सबसे सफल टी20 आई बल्लेबाज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई अहम पारी के दौरान एक बड़ा व्यक्तिगत मुकाम हासिल कर लिया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में फिलिप्स ने न सिर्फ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, बल्कि पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़ते हुए न्यूजीलैंड के लिए टी20 इंटरनेशनल में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए।

29 वर्षीय ग्लेन फिलिप्स ने अफगानिस्तान के खिलाफ 42 रनों की तेज़तर्रार पारी खेलते हुए अपने टी20 आई करियर के कुल रन 2147 तक पहुंचा दिए। इसके साथ ही उन्होंने ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़ दिया, जो लंबे समय तक इस सूची में तीसरे स्थान पर बने हुए थे। फिलिप्स ने अब तक 89 ऊ20घ मैचों में 31.57 की औसत और लगभग 142 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जो उनकी निरंतरता और आक्रामक शैली को दर्शाता है।

न्यूजीलैंड की ओर से टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अभी भी मार्टिन गुप्टिल के नाम है, जिन्होंने 3531 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान केन विलियमसन हैं, जिनके नाम 2575 रन दर्ज हैं। अब ग्लेन फिलिप्स 2147 रनों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच चुके हैं और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए वह आने वाले समय में और ऊपर जा सकते हैं।

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान द्वारा दिए गए 183 रनों के लक्ष्य को पांच विकेट शेष रहते हासिल किया। यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा सफल रन चेज़ भी रहा। फिलिप्स की पारी इस जीत की रीढ़ साबित हुई, जिसमें उन्होंने सात चौके और एक छक्का लगाया और रन चेज को नियंत्रण में रखा।

मैच के बाद न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने कहा कि टीम को पता था कि अफगानिस्तान एक मजबूत और खतरनाक प्रतिद्वंद्वी है। उन्होंने परिस्थितियों को सही तरीके से पढ़ने और हालात के अनुसार खुद को ढालने के लिए खिलाड़ियों की सराहना की। सेंटनर के अनुसार, अलग-अलग समय और पिचों पर खेलने के कारण परिस्थितियों का आकलन करना पूरे टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभाएगा।

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने हार के बाद स्वीकार किया कि उनकी टीम ने गेंदबाजी में कुछ गलतियां कीं। उन्होंने कहा कि 182 रन का स्कोर अच्छा था, लेकिन बीच के ओवरों में सही एरिया में गेंदबाजी नहीं हो सकी, जिसका फायदा न्यूजीलैंड के बल्लेबाज़ों ने उठाया। राशिद ने भरोसा जताया कि टीम इन गलतियों से सीखेगी और अगले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

'प्रधानमंत्री ने कहा था मैं देश नहीं झुकने दूंगा'

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बोले कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वह देश को झुकने नहीं देंगे और किसानों के हितों को कोई नुकसान नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि इस व्यापार समझौते में इन दोनों बातों का ध्यान रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को भोपाल में कहा कि अगर हम कृषि और कृषि उत्पादों को देखें, तो भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी उत्पाद शामिल नहीं किया गया है। ऐसे सभी उत्पादों को व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल, तंबाकू जैसे उत्पादों पर कोई टैरिफ में छूट नहीं दी गई है।

उन्होंने कहा कि हमारी मुख्य फसलों, फलों और डेयरी उत्पादन के लिए अमेरिका के लिए कोई द्वार नहीं खोला गया है। भारत में कोई भी लिक्विड, पाउडर, क्रीम, दही, छाछ, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर या चीज़ आयात नहीं किया जाएगा। हमारे मसाले सुरक्षित हैं। भारत से कई कृषि उत्पाद अमेरिका को ज़ीरो ड्यूटी पर निर्यात किए जाएंगे। लेकिन अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाज़ार में यह छूट नहीं दी गई है।

यह भी पढ़ें- 'पत्रकारों को सदी की सबसे फ्लॉप प्रेस कॉन्फ्रेंस झेलनी पड़ी', सीएम हिमंता के आरोपों पर बोले गौरव गोगोई

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ 50इ से घटाकर 0इ कर दिया है। हमारे मसालों के निर्यात में 88इ वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि हमने दुनिया भर के 200 देशों में मसाले और मसालों के प्रोडक्ट एक्सपोर्ट किए हैं। हमारे किसानों को पूरी तरह से टैरिफ में छूट मिली है। टेक्सटाइल में, हमारा टैरिफ हमारे प्रतिद्वंद्वी देशों की तुलना में काफी कम है, जो 18इ है। इस समझौते से सेल्फ-हेल्प ग्रुप की महिलाओं का जीवन भी बेहतर होगा।

भारत बनाम अमेरिका : कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार की ऐतिहासिक पारी, एलीट लिस्ट में आजम को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अमेरिका के खिलाफ खेले गए मुकाबले को सूर्यकुमार यादव लंबे समय तक याद रखेंगे और भारत भी। कप्तान के रूप में अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप मैच में सूर्या ने नाबाद 84 रन की बेजोड़ पारी खेलकर भारत को बड़े संकट से उबारा। टीम जहां 77/6 पर लड़खड़ा रही थी, वहीं सूर्या ने अकेले दम पर पारी संभाली और भारत को 161/9 तक पहुंचाया। 49 गेंदों की इस पारी में सूर्या ने 10 चौके और 4 छक्के जड़े और दबाव में असाधारण संयम व आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाया।

अमेरिका के गेंदबाजों ने भारत के शीर्ष क्रम को पूरी तरह बांध कर रखा। पारी की पहली चार गेंदों पर भारत खाता भी नहीं खोल सका यहीं से मुश्किलें शुरू हो गईं।

अभिषेक शर्मा पहली ही गेंद पर आउट, ईशान किशन (20) अच्छी शुरुआत के बाद चूके, तिलक वर्मा (25) ने कुछ आक्रामक शॉट लगाए, लेकिन टिक नहीं सके, शिवम दुबे (0), रिंकू सिंह (6), हार्दिक पांड्या (5) सस्ते में लौटे, अक्षर पटेल (14) अंत में तेजी लाने के प्रयास में आउट हुए; ळऍं के लिए शैडली वैन स्काल्कवाइक ने 4/25 का शानदार स्पेल डाला, जबकि गेंदबाजी और फील्ड प्लेसमेंट में कप्तान मोनांक पटेल की रणनीति भी असरदार रही।

जब जिम्मेदारी पूरी तरह सूर्या पर आ गई, तो उन्होंने स्ट्राइक अपने पास रखी और अंतिम दो ओवरों में 34 रन बटोर लिए।आखिरी ओवर में 21 रन निकालकर उन्होंने भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया–जो बाद में मैच जिताऊ साबित हुआ।

भारत-पाक मैच विवाद में नया मोड़, आईसीसी की इमरजेंसी बैठक से पहले लाहौर पहुंचे बीसीबी चीफ

लाहौर **(एजेंसी)**। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर बढ़ते विवाद के बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल लाहौर पहुंच गए हैं। यहां वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नक़वी से मुलाकात करेंगे। यह दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब आईसीसी पाकिस्तान के भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर आपात बैठक करने जा रही है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, भारत बनाम पाकिस्तान का हाई-वोल्टेज मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है, लेकिन पाकिस्तान ने इस मैच को खेलने से इनकार कर दिया है।

स्पोर्ट्स तक की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को एक ईमेल भेजकर भारत के खिलाफ मुकाबले में 'फोर्स मेज्योर' क्लॉज लागू करने की मांग की थी। हालांकि, आईसीसी ने पीसीबी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि आखिर किन परिस्थितियों में इस प्रावधान का इस्तेमाल किया जा सकता है। आईसीसी की सख्त चेतावनी के बाद अब पीसीबी ने संवाद का रास्ता अपनाया है और विवाद सुलझाने के लिए बातचीत पर सहमति जताई है।

पीसीबी का कहना है कि वह बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के समर्थन में यह कदम उठा रहा है। बांग्लादेश को अपने मुकाबले भारत से बाहर कराने की अनुमति नहीं मिली थी, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से हट गया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। इसी मुद्दे पर पाकिस्तान ने विरोध जताते हुए भारत के खिलाफ मुकाबले का बहिष्कार करने का फैसला किया।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने अपने अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में की। इसके बाद टीम इंडिया का अगला मुकाबला 12 फरवरी को नामीबिया से होगा। ग्रुप ए में भारत के साथ पाकिस्तान और नीदरलैंड्स भी शामिल हैं। सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और रिंकू सिंह।

सरकारी खरीद होगी और आसान

जीईएम पोर्टल का मेगा अपग्रेड 10 गुना ज्यादा लोड संभालेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सार्वजनिक खरीद मंच गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) डेटा के बढ़ते बोझ को संभालने और इस साल भविष्य की जरूरतों के अनुरूप एक नया मंच तैयार करने के लिए अपने पोर्टल को बेहतर बना रहा है। जीईएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मिहिर कुमार ने पीटीआई- को बताया कि पोर्टल के नौ साल पूरे होने के साथ ही जीईएम खुद को दोबारा तैयार कर रहा है।

यह खरीदार और विक्रेता के बीच सुगम संपर्क के लिए काम करेगा। कुमार ने कहा, हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि जीईएम पोर्टल पर खरीद-बिक्री को और आसान कैसे बनाया जाए। हम इसका विस्तार इस तरह कर रहे हैं कि यह वर्तमान क्षमता से 5-10 गुना अधिक डेटा लोड को संभाल सके। हम चालू वर्ष में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मंच पेश करेंगे। सरकारी मंत्रालयों और विभागों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद के लिए नौ अगस्त, 2016 को जीईएम पोर्टल पेश किया गया था। शुरुआत से अब तक इसके माध्यम से 17.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी खरीद हो चुकी है।

घरेलू शराब निर्माताओं ने सरकार से मांगा लेवल प्लेइंग फील्ड, सीआईएबीसी ने जताई चिंता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। घरेलू शराब विनिर्माताओं के संगठन (सीआईएबीसी) ने शनिवार को कहा कि वह उम्मीद करता है कि शराब और पेय पदार्थों पर शुल्क भारत द्वारा हाल ही में ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के अनुरूप ही रखे जाएंगे। भारत और अमेरिका द्वारा अंतरिम व्यापार समझौते के लिए तय किए गए ढांचे के अनुसार, वाइन और स्पिरिट से लेकर सूखे मेवों तक के अमेरिकी उत्पाद अब भारत में या तो शुल्क मुक्त या कम आयात शुल्क पर प्रवेश करेंगे।

भारतीय सरकार से आयात के मुकाबले समान और निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए, कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज ने कहा कि उसे उम्मीद है कि यह सौदा दोनों देशों के लिए न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा। भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले इस संगठन ने कहा कि वह आयात शुल्क में कटौती के खिलाफ नहीं है, लेकिन चाहता है कि यह चरणबद्ध तरीके से की जाए। सीआईएबीसी के महानिदेशक अनंत एस अय्यर ने कहा, हमें उम्मीद है कि सरकार गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने से संबंधित हमारे द्वारा उठाए गए मुद्दों का समाधान करेगी और आयात के मुकाबले घरेलू उद्योग को समान अवसर प्रदान करेगी।

संगठन का कहना है कि विकसित देशों के निर्माताओं की तुलना में भारतीय उद्योग पहले से ही उच्च पूंजी, परिचालन लागत और प्रतिबंधात्मक लाइसेंसिंग व्यवस्था के कारण नुकसान की स्थिति में है। सीआईएबीसी ने राज्य सरकारों से यह भी अनुरोध किया है कि वे आयातित शराब को दी गई सभी उत्पाद शुल्क रियायतें वापस लें। संगठन ने चेतावनी दी कि सीमा शुल्क में कटौती के साथ-साथ एक्साइज रियायतें जारी रहना भारतीय विनिर्माताओं के लिए दोहरी मार जैसा होगा। कुछ राज्यों में सीधे विदेशों से बोतलबंद होकर आने वाली (बीआईओ) शराब पर कर ढांचा अधिक अनुकूल है, जिससे स्वदेशी उद्योग पिछड़ रहा है। संगठन ने आयातित शराब को लागत से कम कीमत पर भारतीय बाज़ार में खपाने (डंपिंग) को रोकने के लिए कड़े उपायों की मांग की। साथ ही, उन्होंने भारतीय उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर पहुंच की वकालत की। भारतीय उत्पादों को वर्तमान में ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में कई तरह के गैर-शुल्क प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है। भारत और अमेरिका ने शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा की है, जिसके तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को वर्तमान 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, जबकि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और वाइन-स्पिरिट सहित कृषि उत्पादों पर शुल्क कम या खत्म करेगा।

भारतीय हीरा उद्योग के लिए टर्निंग पॉइंट

अमेरिकी बाज़ार में अब मिलेगी कर मुक्त एंट्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रत्न एवं आभूषण उद्योग ने शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका में हीरे और रंगीन रत्नों के लिए शुल्क मुक्त प्रवेश की घोषणा का स्वागत किया है। उद्योग का कहना है कि यह एक टर्निंग पॉइंट है जिससे इस क्षेत्र को नयी मजबूती मिलेगी। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अध्यक्ष किरीट भंसाली ने एक बयान में कहा, हम हीरे और रंगीन रत्नों के लिए शुल्क मुक्त पहुंच की घोषणा से बेहद उत्साहित हैं।

पिछला साल हमारे लिए काफी मुश्किल रहा है, जिसमें हमारे सबसे बड़े बाजार (अमेरिका) को होने वाले कटे और पॉलिश किए गए हीरों का निर्यात 60 प्रतिशत से अधिक गिर गया था। भारत और अमेरिका ने शनिवार को एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनने की घोषणा की है, जिसके तहत दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेंगे। इस ढांचे के तहत जेनरिक दवाओं, रत्नों, हीरों और विमान के पुर्जों सहित कई वस्तुओं पर शुल्क घटकर शून्य हो जाएगा। इससे भारतीय उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा।

भंसाली ने बताया कि इस समझौते के तहत आभूषणोंपर शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे तत्काल राहत मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पूर्ण समझौता होने के बाद हीरे और रंगीन रत्नों पर शुल्क पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि परिषद ने लैब में तैयार हीरों (एलजीडी) और कृत्रिम रत्नों को भी अमेरिकी शुल्क छूट की सूची में शामिल करने का मुद्दा सरकार के सामने उठाया है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि शुल्क शून्य होने से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अभूतपूर्व पहुंच मिलेगी।

'अब यहाँ घुटन महसूस होती है', क्रिस्टन स्टीवर्ट ने अमेरिका छोड़ने का बनाया मन, ट्रंप प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और ऑस्कर नॉमिनेटेड स्टार क्रिस्टन स्टीवर्ट ने अपने हालिया बयान से पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। 'ट्विलाइट' फेम अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़ने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं। स्टीवर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान देश का राजनीतिक माहौल इतना अस्थिर हो गया है कि उनके लिए वहां स्वतंत्र रूप से काम करना नामुमकिन होता जा रहा है।

द टाइम्स ऑफ़ लंदन से बात करते हुए, ऑस्कर-नॉमिनेटेड स्टार ने माना कि वह अब अपने देश में सहज या क्रिएटिव रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह खुद को अमेरिका में रहते हुए देखती हैं, तो स्टीवर्ट ने सीधे जवाब दिया: 'शायद नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं वहां आज़ादी से काम नहीं कर सकती, ' यह इशारा करते हुए कि उनकी निराशा राजनीति से आगे बढ़कर उनके प्रोफेशनल जीवन तक पहुंच गई है।

स्टीवर्ट के लिए, यह मुद्दा सिर्फ वैचारिक असहमति का नहीं है - यह रोज़मर्रा की हकीकत के बारे में है। उन्होंने समझाया कि ट्रंप के दौर ने एक ऐसा माहौल बनाया है जो पाबंदी वाला और परेशान करने वाला लगता है, खासकर कलाकारों के लिए। उन्होंने कहा, 'ट्रंप के तहत हकीकत पूरी तरह से टूट रही है, ' यह सुझाव देते हुए कि माहौल क्रिएटिव आज़ादी के लिए तेज़ी से प्रतिकूल हो गया है।

स्पेंसर एक्ट्रेस ने यह साफ कर दिया कि उनकी चिंताएं सिर्फ बेचैनी से कहीं ज़्यादा हैं, यह इशारा करते हुए कि सांस्कृतिक बदलाव सीधे तौर पर अपनी शर्तों पर फिल्में बनाने की उनकी क्षमता को प्रभावित कर रहा है।

यूरोप स्टीवर्ट के रडार पर मज़बूती से दिख रहा है। उन्होंने ऐसी जगहों पर बसने की इच्छा के बारे में बात की जहां फिल्म निर्माण ज़्यादा खुला और सहयोगी लगता है, यह कहते हुए कि वह 'वह हकीकत बनाना चाहती हैं जिसमें हम रहना चाहते हैं'। एक्ट्रेस लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स की ओर आकर्षित रही हैं, इसलिए यूरोप जाना एक स्वाभाविक अगला कदम होगा।

उन्होंने कहा कि उनकी योजना विदेशों में फिल्में बनाने और फिर उन्हें अमेरिकी दर्शकों के लिए वापस लाने की होगी - भले ही इसमें थोड़ी बगावत की भावना हो। स्टीवर्ट ने आगे कहा कि वह 'उन्हें अमेरिकी लोगों के गले में उतारना चाहती हैं', अपनी आवाज़ को सुनाने के अपने दृढ़ संकल्प को रेखांकित करते हुए।

ग्लैमर की दुनिया का काला सच : ड्रग्स के साथ पकड़ी गईं तमिल-मलयालम अभिनेत्री अंजू कृष्णा, 8 लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारतीय फिल्म जगत से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। चेन्नई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स इंटेलिजेंस यूनिट ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तमिल और मलयालम फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री अंजू कृष्णा को ड्रग्स रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस छापेमारी में अंजू के साथ एक सहायक निर्देशक सहित कुल आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, तमिल और मलयालम एक्ट्रेस अंजू कृष्णा को चेन्नई में ड्रग्स रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कम से कम आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें अंजू कृष्णा और एक असिस्टेंट डायरेक्टर विंसी निवेथा शामिल हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह गिरफ्तारी गुरुवार को हुई, जब एंटी-नारकोटिक्स इंटेलिजेंस यूनिट साउथ टीम ने वलसरवाक्कम से मेथामफेटामाइन और गांजा जब्त किया। हिरासत में लिए गए लोगों में अंजू कृष्णा, विंसी निवेधा, कार्तिक राजा, यशवंत, श्रीराम, अल्विबिनशा और वेंकटेश कुमार शामिल हैं। रेड के दौरान, पुलिस ने छह ग्राम मेथामफेटामाइन, सात ग्राम गांजा, 15 ग्राम भांग, एक स्टैम्प और नौ मोबाइल फोन जब्त किए।

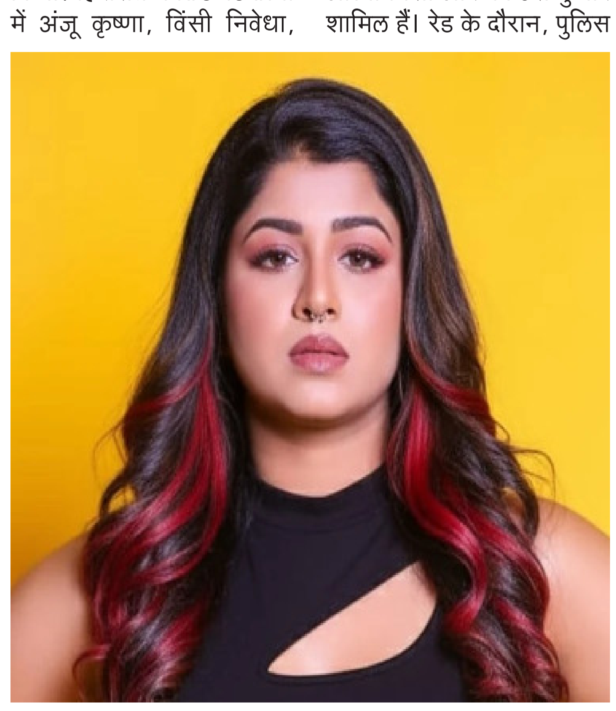

अंजू कृष्णा 31 साल की एक्ट्रेस हैं जिन्होंने तमिल और मलयालम फिल्मों में काम किया है। वह आकाशम कडन्न, आरो और ओम वेल्लीमलाई जैसी फिल्मों में नज़र आ चुकी हैं।

तमिल रोमांटिक ड्रामा फिल्म, ओम वेल्लीमलाई, 2023 में रिलीज़ हुई थी और इसका निर्देशन ओम विजय ने किया था। अंजू के अलावा, ओम वेल्लीमलाई में सुपरगुड सुब्रमणि और वीरा सुभाष मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अंजू कृष्णा की सोशल मीडिया मौजूदगी की बात करें तो, इंस्टाग्राम पर उनके 23.6ख फॉलोअर्स हैं और वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, नियमित रूप से अपने मॉडलिंग वर्क और फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं।

प्रधानमंत्री का नीतिगत स्थिरता का सिद्धांत बजट का आधार, विकसित भारत पर जोरः निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नीतियों में बार-बार बदलाव से बचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर ने आम बजट 2026-27 को आकार दिया है। यह बजट नीतिगत स्थिरता पर आधारित है और इसके केंद्र में 'विकसित भारत' के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को रखा गया है। एक नए पांच वर्षीय वित्तीय चक्र और 21वीं सदी की दूसरी तिहाई के पहले बजट के रूप में तैयार यह दस्तावेज राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए पूंजीगत व्यय, बुनियादी ढांचे के विस्तार और संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता देता है।

सीतारमण ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''लोग स्थिरता चाहते हैं, और इसीलिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार चुना है। उस वोट में स्थिरता निहित है, और यह बात पिछले बजटों के माध्यम से नीतियों के क्रियान्वयन के तरीके में भी दिखाई देती है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की लगातार तीसरी चुनावी जीत राजनीतिक और नीतिगत स्थिरता का स्पष्ट सार्वजनिक समर्थन है, जिसे

सरकार भारत की दीर्घकालिक विकास रणनीति के लिए महत्वपूर्ण मानती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दिशा में अचानक बदलाव से बचने की जरूरत पर लगातार जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री हमेशा नीतियों में बार-बार बदलाव से बचने की बात करते हैं। एक बार जब नीतिगत दिशा की घोषणा हो जाती है, तो सरकार उसके क्रियान्वयन में स्थिर रहती है।'' सीतारमण ने कहा कि बजट को केवल एक साल की वित्तीय कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक लंबी योजना के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम 2047 और उसके बाद 2050 तक भी देख रहे हैं। ध्यान स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक एक विकसित भारत के निर्माण पर है और अगले 25 वर्षों में भारत को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करना है।'' वित्त मंत्री के अनुसार यह दीर्घकालिक नजरिया आने वाले दशकों में निरंतर विकास, संस्थागत मजबूती और आर्थिक लचीलेपन पर जोर देने के साथ सभी क्षेत्रों में नीति-निर्माण का मार्गदर्शन करेगा। बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सार्वजनिक व्यय के बारे में सीतारमण ने कहा कि पूंजीगत व्यय इस सरकार की सफलता की कहानियों में से एक है।

उन्होंने बताया कि विभिन्न सरकारी विभागों के लिए बजटीय प्रावधानों ने कोविड महामारी के बाद बुनियादी ढांचे के विकास में उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण का उपयोग करने में राज्यों की भूमिका भी उतनी ही प्रभावशाली रही है, और कई राज्यों ने अपनी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पूरा कर अधिक धन का उपयोग करने की अपनी क्षमता साबित की है।

कर्नाटक में प्राइवेट चार्टर प्लेन क्रैश!

इंजन फेल होने के बाद खेतों में करनी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग, पायल घायल

कलबुर्गी **(एजेंसी)**। कर्नाटक के विजयपुरा जिले से रविवार (8 फरवरी, 2026) को एक बड़े विमान हादसे की खबर सामने आई है। रेडबर्ड एविएशन का एक छोटा ट्रेनिंग विमान तकनीकी खराबी के बाद बालेश्वर तालुक के मंगलुरु गांव में क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में विमान के परखच्चे उड़ गए, लेकिन चमत्कारिक रूप से इसमें सवार दोनों पायलटों की जान बच गई।

विमान ने कलबुर्गी से बेलगावी के लिए एक नियमित ट्रेनिंग उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान जब विमान मंगलुरु गांव के ऊपर था, तभी उसके इंजन में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। कैप्टन और ट्रेनी पायलट ने हवा में ही इंजन को फिर से शुरू करने की कोशिश की, लेकिन इंजन पूरी तरह फेल हो गया। विमान तेजी से ऊंचाई खोने लगा और पायलटों को आबादी वाले इलाके से दूर एक खुले खेत में इमरजेंसी लैंडिंग करने का कठिन फैसला लेना पड़ा। चश्मदीदों के अनुसार, विमान को नीचे गिरते देखना एक खौफनाक मंजर था।

खराब हो रहे रेडबर्ड विमान में, कैप्टन और ट्रेनी ने खराब इंजन को ठीक करने की व्यर्थ कोशिश की, लेकिन उनकी सूझबूझ से शायद एक बड़ा हादसा टल गया। विमान इतनी तेज़ी से जमीन से टकराया कि दोनों यात्रियों को गंभीर चोटें आईं, फिर भी चमत्कारिक रूप से उनकी जान बच गई - इस घटना में कोई मौत नहीं हुई। धूल और मलबा हवा में फैल गया, जैसे ही स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, उनकी चीखें मुड़े हुए धातु की आवाज़ के साथ मिल गईं। कुछ ही मिनटों में, 108 एम्बुलेंस घटनास्थल पर पहुंची, और खून से लथपथ पायलटों को गंभीर इलाज के लिए विजयपुरा के सबसे नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने अफरा-तफरी के बीच उन्हें स्थिर किया।

बालेश्वर पुलिस लगभग तुरंत ही दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई, गांव में बिखरे मलबे को सुरक्षित किया और शुरुआती जांच शुरू की। जांच अधिकारी ने शुरुआती जानकारी देते हुए कहा, 'यह रेड बर्ड एविएशन का एक प्राइवेट विमान है। यह कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था, तभी इंजन में तकनीकी खराबी आ गई और अचानक क्रैश हो गया। विमान में दो लोग सवार थे, जिनकी पहचान कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट के रूप में हुई है। दोनों को इस घटना में गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें आगे के इलाज के लिए सबसे नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगे की जांच जारी है।' यह बताता है कि मैकेनिकल खराबी ही मुख्य कारण है, और अब लॉग, मौसम डेटा और रखरखाव के इतिहास की गहराई से जांच की जा रही है।

गौरव गोगोई का 'पाकिस्तानी कनेक्शन'!

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के खुलासे से असम में भूचाल, एनआईए जांच की मांग

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम की राजनीति में इस वक्त एक बहुत बड़ा तूफान आया हुआ है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ को लेकर कुछ ऐसे खुलासे किए हैं, जिन्होंने सबको चौंका दिया है। मामला 'पाकिस्तानी कनेक्शन' और नेशनल सिक्योरिटी से जुड़ा है।

असम सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई थी जिसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट के आधार पर असम कैबिनेट ने अब भारत सरकार (गृह मंत्रालय) से मांग की है कि इस मामले की जांच एनआईए या सीबीआई जैसी बड़ी केंद्रीय एजेंसियां करें। सीएम सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि असम के एक बड़े नेता का पाकिस्तान से सीधा कनेक्शन है। उनके मुख्य आरोप ये हैं कि गौरव गोगोई अपने पिता तरुण गोगोई के सीएम रहते हुए पाकिस्तान गए थे, जिसकी जानकारी न तो पुलिस को थी और न ही केंद्र सरकार को।

सरमा का दावा है कि गौरव गोगोई पाकिस्तानी दूतावास भी गए थे, जो किसी भी कांग्रेसी नेता के लिए असामान्य है। साथ ही उनकी पत्नी एलिजाबेथ ने 2011-12 में पाकिस्तान में काम किया था और

उनका सीधा संपर्क 'अली तौकीर शेख' नाम के एक पाकिस्तानी एजेंट से था। एसआईटी की रिपोर्ट में एलिजाबेथ पर कई संगीन आरोप लगाए गए हैं, जिनमें कहा गया है कि 2013-14 में उन्होंने इंटेलिजेंस ब्यूरो की एक सीक्रेट रिपोर्ट की जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी, ताकि वे भारत के खिलाफ अपनी रणनीति बदल सकें। साथ ही वे अक्सर अटारी बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान जाती थीं और इन यात्राओं की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी जाती थी। उन पर जॉर्ज सोरोस से जुड़े होने और विदेशी फंडिंग के नियमों को तोड़ने का भी आरोप है। इसके साथ साथ ऐसा भी कहा गया कि उन्होंने अपने पाकिस्तानी बैंक खाते की जानकारी छिपाई।

बांग्लादेशी हिन्दुओं को मोहन भागवत की सलाह, भागे नहीं, संघर्ष करें

मुम्बई **(एजेंसी)**। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की सुरक्षा पर कड़ा और साफ संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वहां के हिंदुओं को अकेले पड़ने की जरूरत नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया का हिंदू समाज उनके समर्थन में खड़ा है। मुंबई के नेहरू सेंटर में संघ के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक लेक्चर में भागवत जी ने कहा, 'बांग्लादेश में करीब सवा करोड़ (1.25 करोड़) हिंदू हैं। अगर वे वहीं रहकर अपने अधिकारों के लिए लड़ने का फैसला करते हैं तो दुनिया भर के सभी हिंदू उनकी मदद के लिए आगे आएंगे।' पिछले कुछ समय से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। यह सब अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद शुरू हुआ। इस तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। इस उथल-पुथल के बीच हिंसक भीड़ ने हिंदू व्यापारियों, मजदूरों और छात्रों को निशाना बनाया। कई लोगों की जान गई और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया।

इसके बाद, छात्र नेताओं की मौत और राजनीतिक अस्थिरता के बाद ये हमले संगठित रूप से हिंदुओं के खिलाफ मुड़ गए। भागवत जी ने जोर देकर कहा कि ऐसी मुश्किल घड़ी में एकता ही सबसे बड़ा समाधान है। उन्होंने यह संदेश दिया कि बांग्लादेश के हिंदुओं को डरकर भागने के बजाय अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए हिम्मत जुटानी होगी और इसमें बाहरी दुनिया के हिंदू उनका साथ देंगे।

पंजाब 'इन्वेस्टर्स समिट' से पहले सीएम मान को झटका केंद्र ने यूरोप दौरे पर लगाई रोक, आप भड़की

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का नीदरलैंड और चेक गणराज्य का दौरा रद्द हो गया है। इसका कारण यह है कि केंद्र सरकार ने उनके 'पॉलिटिकल क्लीयरेंस' के अनुरोध को रोक दिया और उनके दौरे पर कोई जवाब नहीं दिया। यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री मान को विदेश जाने से रोका गया हो। पिछले कुछ समय में यह तीसरी बार है जब उन्हें मंजूरी नहीं मिली। इससे पहले पिछले महीने ही उन्हें निवेश के सिलसिले में यूके और इजराइल में जाने की इजाजत नहीं दी गई थी। इससे पहले पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय हॉकी टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए उनके फ्रांस जाने के अनुरोध को भी केंद्र ने मना कर दिया था।

अगले महीने पंजाब में 'इन्वेस्टर्स समिट' होने वाला है। मुख्यमंत्री मान एक डेलिगेशन के साथ यूरोप के इन देशों में जाकर बड़े बिजनेसमैन से मिलना चाहते थे, ताकि पंजाब में विदेशी निवेश लाया जा सके और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

इस मामले पर आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार जानबूझकर विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निशाना बना रही है। इस तरह की पाबंदियों से पंजाब के विकास और निवेश लाने की कोशिशों को नुकसान पहुंच रहा है। जब दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री विदेश जा सकते हैं, तो पंजाब के मुख्यमंत्री को बार-बार क्यों रोका जा रहा है? नियमों के मुताबिक, किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री को आधिकारिक विदेश यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। हालांकि, मंत्रालय अक्सर मंजूरी न देने का कोई खास कारण सार्वजनिक रूप से नहीं बताता, जिससे यह मामला अब एक राजनीतिक विवाद बन गया है।

भारत-मलेशिया संबंधों को नई गति

अनवर बोले- पीएम मोदी के साथ मुलाकात रही 'अहम और निर्णायक', 11 समझौते हुए फाइनल

माले **(एजेंसी)**। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बैठक को 'बहुत महत्वपूर्ण, रणनीतिक और निर्णायक' बताया और कहा कि यह दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। मोदी इस समय मलेशिया के दो-दिवसीय दौरे पर हैं, जिसमें वे कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। कुआलालंपुर में दोनों नेताओं ने प्रतिनिधि-स्तरीय वार्ता की और 11 दस्तावेजों सहित कई समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर का साक्षी बने। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनवर ने कहा कि भारत-मलेशिया के संबंध 1957 से चले आ रहे हैं और 2024 में इसे 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक उन्नत किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंध, मजबूत जन-स्तरीय जुड़ाव और लगातार बढ़ती आर्थिक साझेदारी मौजूद है।

अनवर ने आगे कहा कि भविष्य में दोनों देश व्यापार और निवेश, सेमीकंडक्टर, डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्थानीय मुद्रा में व्यापार, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, कृषि, खाद्य सुरक्षा, सुरक्षा, रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों को और गहरा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इन पहलों को तेजी से लागू करने के लिए दोनों सरकारों और विदेश मंत्रियों की प्रतिबद्धता है। वार्ता के परिणामों पर अनवर ने बताया कि 11 दस्तावेजों के हस्ताक्षर किए गए, जिनमें एमओयू और पत्रों का आदान-प्रदान शामिल था। उन्होंने कहा कि ये समझौते पारंपरिक द्विपक्षीय समझौतों से आगे हैं और इनमें से कई क्षेत्र–जैसे सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और सुरक्षा सहयोग-शांतिरक्षा जैसी पहलें भी शामिल हैं।

इससे पहले, अनवर ने मोदी का औपचारिक स्वागत किया और दोनों देशों के मजबूत संबंधों और इस दौरे की व्यक्तिगत अहमियत पर जोर दिया। इस यात्रा की शुरुआत पर पुत्राजया में प्रधानमंत्री मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर और अन्य औपचारिक सम्मान दिए गए। मोदी ने स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा कि मलेशिया ने उन्हें और उनके प्रतिनिधिमंडल का बहुत ही गरिमामय और खूबसूरत स्वागत किया। मोदी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भी इस स्वागत के कुछ पल साझा किए और कहा कि भारत और मलेशिया का साझेदारी विश्वास, मित्रता और साझा आकांक्षाओं पर आधारित है।

'ध्यान-योग' को देश के लिए खतरा मानता है चीन फालुन गोंग अभ्यास करने वाले मां-बेटे को 6 साल जेल की सजा

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन में फालुन गोंग के अभ्यास के कारण एक मां और उसके बेटे को एक साथ लंबे समय की जेल की सजा सुनाई गई है। लिआओनिंग प्रांत के लिंगहाई सिटी कोर्ट ने 26 दिसंबर 2026 को लू सुपिंग (69) और उनके बेटे जियांग नान (45) को फालुन गोंग के अभ्यास के आरोप में समान रूप से छह-छह साल की जेल और 15, 000 युआन का जुर्माना दिया। उनकी सजा 1 जून 2031 तक चलेगी। दोनों पर कार्रवाई का नवीनतम दौर 2 जून 2025 को शुरू हुआ, जब जियांग ने अपने घर का दरवाजा खोला और वहां घुसे सात से अधिक सादे वस्त्रधारी अधिकारी उसे जमीन पर गिराकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घर में छापा मारा, फालुन गोंग की किताबें, संस्थापक की तस्वीर, दो मोबाइल फोन और अन्य सामान जब्त किए। बाद में लू, जियांग और दो अन्य प्रैक्टिशनरों को लिंगहाई डिटेंशन सेंटर में ले जाया गया।

3 जुलाई 2025 को लिंगहाई प्रॉक्यूरेटरेट ने औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी किए। जियांग ने वकील नियुक्त करने की कोशिश की, लेकिन अभियोजक ने उसे फालुन गोंग प्रैक्टिशनर का वकील होने पर धमकाया। सितंबर में पुलिस ने मामला अभियोजन के लिए भेजा और अक्टूबर में आरोप-पत्र पक्का हुआ। दोनों का मुकदमा 22 दिसंबर 2025 को हुआ और चार दिन बाद सजा सुनाई गई, लेकिन परिवार को जनवरी 2026 के अंत तक इसकी जानकारी नहीं मिली। यह पहली बार नहीं है जब मां-बेटे को फालुन गोंग के कारण जेल हुई है। 2013 में दोनों को गुप्त तरीके से गिरफ्तार कर 3-3.5 साल की सजा दी गई थी। लू को लिआओनिंग प्रांत महिला जेल में भेजा गया था और जियांग को जिनझोउ तथा बाद में शेनयांग की जेलों में रखा गया।

2002 में लू को गिरफ्तार कर सात पुरुष अधिकारियों ने पीटा, जिससे उनका चेहरा सूज गया और विकृत हो गया। फालुन गोंग पर चीन की दमन नीति का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत अनुयायियों को दंडित करना नहीं, बल्कि परिवारों को तोड़ना और निजी जीवन को नियंत्रण में लेना भी माना जाता है। लू और जियांग के मामले में यह स्पष्ट दिखता है, क्योंकि उन्हें एक साथ गिरफ्तार, मुकदमा और सजा मिली। फिर भी, उनकी कहानी संघर्ष और दृढ़ता की भी

मिसाल है। लू का कहना है कि फालुन गोंग ने उनकी सेहत ठीक की और पारिवारिक संबंधों को बेहतर बनाया। जियांग ने बार-बार गिरफ्तारियों के बावजूद पढ़ाना जारी रखा और अपने छात्रों व अभिभावकों का सम्मान पाया।

चीन में इसे 1990 के दशक में बहुत तेजी से फैलने वाला आंदोलन माना गया।1999 में चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने इसे प्रतिबंधित कर दिया, क्योंकि वे इसे राजनीतिक रूप से खतरा समझने लगे थे। इसके बाद से चीन में फालुन गोंग के अभ्यास करने वालों पर कठोर दमन और गिरफ्तारी की खबरें आती रही हैं। चीन सरकार का कहना है कि यह राजनीतिक खतरा है।समर्थक और मानवाधिकार संगठन इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला मानते हैं। चीन में फालुन गोंग के अनुयायियों के खिलाफ जबरदस्ती की 'री-एडुकेशन' और जेल जैसी कार्रवाई की रिपोर्टें आती रही हैं।

दुबई पुलिस की ईमानदारी बनी मिसाल : कचरे में मिला लाखों का सोना भारतीय महिला को लौटाया

अबुधाबी **(एजेंसी)**। दुबई में ईमानदारी और व्यवस्था का एक अनोखा उदाहरण सामने आया है, जब एक महिला द्वारा गलती से कूड़े में फेंका गया सोना पुलिस की मदद से वापस मिल गया। घटना में भारतीय मूल की कामिनी कानन शामिल हैं, जो 23 साल तक यूएई में रहने के बाद भारत लौट चुकी थीं और शादी में शामिल होने दुबई आई थीं। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कामिनी ने जनवरी के अंत में सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण अपने पुराने गोल्ड पाउच को बदलकर सोना नए पाउच में रखा था। इसमें चार 22 कैरेट के गोल्ड कॉइन थे, जिनमें से हर एक का वजन 8 ग्राम था, साथ ही 50 ग्राम की 24 कैरेट गोल्ड बार भी थी। कुल मिलाकर सोने की कीमत लगभग 50, 000 दिरहम (करीब 12.32 लाख रुपये) बताई गई है।

हालांकि, घर की सफाई के दौरान यह पाउच गलती से कूड़े में फेंक दिया गया और परिवार को इस बात का पता भी नहीं चला।

इसके बाद भी, दुबई पुलिस ने कूड़े से सोने का पाउच ढूंढकर उसे महिला को वापस कर दिया। यह घटना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है और दुबई की विश्वसनीय व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास बढ़ा रही है। दुबई में ऐसी घटनाएं इसलिए भी खास मानी जाती हैं क्योंकि यहां की सिस्टम-प्रणाली और कानून व्यवस्था में ईमानदारी और पारदर्शिता का स्तर बहुत ऊँचा माना जाता है। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि यहां सिर्फ छोटे-मोटे सामान ही नहीं, बल्कि कीमती वस्तुएं भी सही हाथों तक वापस पहुंच सकती हैं–भले ही वे गलती से कचरे में चली गई हों।

परमाणु कार्यक्रम पर ईरान का सख्त संदेश

'ताकतवर देशों के आगे नहीं झुकेंगे', हमें 'न' कहना आता है

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ हुईं वार्ताओं के बाद कड़ा रुख अपनाते हुए रविवार को कहा कि ताकतवर देशों के आगे नहीं झुकने से ईरान को ताकत मिलती है। तेहरान में एक सम्मेलन में राजनयिकों से बातचीत के बाद अरागची ने संकेत दिए कि ईरान यूरेनियम संवर्धन करने पर कायम रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए ईरान का यूरेनियम संवर्धन विवाद की जड़ है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने शुक्रवार को ओमान में अमेरिकी अधिकारियों से हुई बातचीत की एक ओर तो सराहना की, दूसरी ओर अरागची के बयान से लगता है इन वार्ताओं में चुनौतियां बाकी हैं। ईरान पर समझौता करने के लिए दबाव बनाने के मकसद से अमेरिका पहले ही विमानवाहक यूएसएस अब्राहम लिंकन, जहाजों और लड़ाकू विमानों को पश्चिम एशिया भेज चुका है। अरागची ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि ईरान की ताकत का राज दूसरों की ओर से परेशान किए जाने, प्रभुत्व कायम करने और दबाव बनाने के खिलाफ खड़े होने की इसकी क्षमता में छिपा है।

अफगानिस्तान में घर के अंदर विस्फोट, कम से कम 8 लोगों की मौत

काबुल **(एजेंसी)**। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक आवासीय घर के अंदर गैस सिलेंडर विस्फोट में कम से कम आठ लोग मारे गए। काबुल के गवर्नर कार्यालय ने शनिवार शाम जारी बयान में बताया कि घटना पुलिस डिस्ट्रिक्ट 21 में हुई, जहां एक परिवार अपने घर को ठंड से बचाने के लिए गैस हीटर का उपयोग कर रहा था। गैस रिसाव के कारण सिलेंडर फट गया और इससे घर में मौजूद लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अफगानिस्तान में व्यापक आधुनिक हीटिंग प्रणाली न होने के कारण अधिकांश घर सर्दियों में अपने घर गर्म रखने के लिए गैस सिलेंडर या पारंपरिक चूल्हे पर निर्भर रहते हैं। ऐसे हादसे अक्सर गैस रिसाव और विस्फोट के कारण होते हैं और गरीब देश में यह एक आम खतरा बन गया है।इससे पहले 5 फरवरी को पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में एक घर के अंदर गैस सिलेंडर फटने से तीन महिलाएं मारी गई थीं और एक अन्य घायल हुई थी। उस घटना में भी परिवार गैस हीटर का उपयोग कर रहा था और गैस रिसाव

के कारण विस्फोट हुआ था। घायल पुरुष सदस्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

कुछ सप्ताह पहले, पूर्वी नंगरहार प्रांत के स्पिन घर जिले में गैस सिलेंडर विस्फोट में दो महिलाएं मारी गईं और दो बच्चे घायल हुए थे।इसके अलावा 14 जनवरी को नंगरहार के बटिकोट जिले में एक होटल के अंदर गैस सिलेंडर फटने से 14 कर्मचारी घायल हो गए थे, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई गई थी। पुलिस ने घटना को होटल कर्मचारियों की लापरवाही का परिणाम बताया था और घायल लोगों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।